



शिव शक्ति इंटरप्राइजेस
फटाका दुकान
सभी प्रकार के फटाकों
के निर्माता एवं विक्रेता
(थोक एवं चिल्लर मात में उपलब्ध)
नवागांव बाण्टोला, वार्ड नं. 1 राजनादिगांव (छ.ग.)
(प्रो. - यश बारटकर) मोबाईल नंबर : 9301792320

दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन: ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ के नारों से गुंजी राजधानी, एनी राजा समेत कई प्रदर्शनकारी हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के खिलाफ विपक्षी दलों, वामपंथी संगठनों, छात्र यूनियनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। बंगला साहिब और गोल डाक खाना इलाके से चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR प्रक्रिया को रोकने की मांग की। दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर मार्च रोकता और CPI नेता एनी राजा समेत कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

शुक्रवार दोपहर से ही बंगला साहिब गुरुद्वारे के आसपास भारी संख्या में छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक जुटने लगे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तस्वीरों वाले पोस्टर और प्लेकार्ड थे, जिन पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग लिखी थी। चोट चोरी बंद करो और ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ जैसे तीखे नारों के बीच प्रदर्शनकारियों ने आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रक्रिया को तुरंत रोकने की मांग उठाई।



चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर कूच, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका

पोपल अगेस्ट SIR और आइसा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने बंगला साहिब से अशोक रोड स्थित निर्वाचन आयोग के दफ्तर की तरफ पैदल मार्च शुरू किया। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए दिल्ली पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने रास्ते में कई लेयर की मजबूत बैरिकेडिंग कर रखी थी। प्रदर्शनकारियों ने जब बैरिकेड्स पार कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, तो पुलिसकर्मियों के साथ उनकी तीखी धक्का-मुक्की हुई। स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मार्च को आगे बढ़ने से रोक दिया।

एनी राजा समेत दर्जनों प्रदर्शनकारी हिरासत में, पुलिस वैन से ले जाए गए

मार्च रोकें जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने छात्र संगठन आइसा और अन्य यूनियनों के दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। इस दौरान वरिष्ठ वामपंथी नेत्री और भाकपा नेता एनी राजा समेत कई प्रमुख कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बसों और वैन में बैठाकर विभिन्न पुलिस थानों में भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना था कि नई दिल्ली इलाके में धारा 144 और निषेधाज्ञा लागू है, इसलिए बिना पूर्व अनुमति के किसी भी प्रकार के बड़े मार्च या प्रदर्शन को इजाजत नहीं दी जा सकती। हिरासत में लिए जाने से पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की वरिष्ठ नेता एनी राजा ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की चुनाव आयोग द्वारा अपनाए जा रहे धोखाधड़ी भरे तरीकों से लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा, हम लोकतंत्र को नष्ट करने के इन हथकण्डों से देश और संविधान की रक्षा करने आए हैं। जनता के वोट के अधिकार को किसी भी कीमत पर छीना नहीं जा सकता।

भागवत बोले- संघ केवल हिंदुओं का नहीं, देश का है: कार्यकारिणी की बैठक में हुए शामिल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों के बिना संघ अधूरा है, लेकिन संघ स्वयंसेवकों से बड़ा है। संघ समुद्र की तरह है, जिसमें सभी सदस्य समाहित होते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह समुद्र की पहचान उसकी एक बूंद से होती है, उसी तरह सदस्यों से संघ की पहचान होती है। संघ का उद्देश्य राष्ट्रहित को सबसे ऊपर रखना है, इसलिए सदस्यों को संगठित और सज्जग होकर राष्ट्रहित में काम करना चाहिए।

दरअल्ल, आरएसएस प्रमुख गुरुवार को कोनी स्थित सरस्वती ग्राम शिक्षा परिषद संस्थान में आयोजित बौद्धिक वर्ग में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मानते हैं कि संघ हिंदुओं के भले के लिए

काम करता है। लेकिन संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भले के लिए काम करता है। आरएसएस प्रमुख कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि संघ का मुख्य काम किसी के प्रति घृणा फैलाना नहीं है, बल्कि शुद्ध सात्विक प्रेम और सद्भाव के आधार पर पूरे हिंदू समाज और राष्ट्र को एकजुट करना है। वहीं, आज (शुक्रवार) 2 सत्रों में बैठकें हुईं। पहले सत्र में आगामी कार्यक्रमों, युवा वर्ग को जोड़ने और RSS-भाजपा के खिलाफ बनाए जा रहे नरैटिव पर रणनीति तय हुई। दूसरे सत्र में संघ पदाधिकारियों के साथ भाजपा नेता शामिल हुए। इस दौरान मोहन भागवत ने प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह से मुलाकात की। इसके बाद मोहन भागवत अमरकंटक एक्सप्रेस से (शेष पृष्ठ 6 पर...)

एशियन पैरा गेम्स 2026: भारत ने 114 मेडल जीतकर रचा इतिहास, एक ही दिन में जीते नौ स्वर्ण, पिछला रिकॉर्ड तोड़ा

नागोया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में अबतक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने आइची-नागोया में 30 स्वर्ण सहित कुल 114 पदक जीते और हांग्शू खेलों का अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में 27 स्वर्ण सहित कुल 108 पदक जीते थे जो उसका इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। लेकिन इस बार पैरा एथलीटों ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत ने इस तरह अपने अभियान का अंक रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ किया।

पैरा एशियाड में भेजा था 168 एथलीटों का दल

भारत ने इस बार इन खेलों में 168 खिलाड़ियों का दल भेजा था जो 2023 में हांग्शू में हुए पिछले चरण में हिस्सा लेने वाले दल की संख्या से लगभग आधा था। भारतीय खिलाड़ियों ने हांग्शू में 27 स्वर्ण सहित 108 पदक जीते थे जो उस समय देश का सर्वश्रेष्ठ



प्रदर्शन था। शुक्रवार को पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में पैरा एथलेटिक्स का दबदबा नहीं रहा बल्कि बैडमिंटन खिलाड़ियों, तीरंदाजों और निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी भारत के पदकों की संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। इस तरह भारत ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान पूरा किया।

पदक तालिका में किस स्थान पर भारत?

भारत फिलहाल पदक तालिका में चौथे स्थान पर है, लेकिन शनिवार को कुछ स्पर्धाओं के फाइनल होने के कारण उसकी स्थिति बदल सकती है। भारत का उन स्पर्धाओं में कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। अभियान के आखिरी दिन भारत ने नौ स्वर्ण पदक जीते जो इस चरण में उसका एक दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये स्वर्ण पदक तीरंदाजी, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पीएम मोदी ने किया 'चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन' का उद्घाटन बोले- 'मेरी नीतियों के केंद्र में हैं देश के युवा'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार, 23 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने युवा शक्ति को मजबूत और सक्षम भारत के निर्माण का आधार बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद से उनकी मुलाकात और उनका आशीर्वाद जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों में उनके साथ रहा है। सम्मेलन में भारत और विदेशों से 9,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने इस अनुभव के लिए चिन्मय मिशन के सदस्यों का आभार जताया।



युवा शक्ति से मजबूत भारत बनाने पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव के साथ उनकी बातचीत में युवा शक्ति के निर्माण और उसके जरिए एक मजबूत भारत बनाने का विषय प्रमुख था। उन्होंने बताया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी मिलने से लेकर सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी यात्रा में गुरुदेव का आशीर्वाद उनके साथ रहा। मोदी ने युवा शक्ति को देश के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि युवाओं की क्षमता का विकास भारत को मजबूत और सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। युवाओं को अवसर देना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करना भी इस सोच का अहम हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर को याद करते हुए कहा कि यह केवल विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का अवसर नहीं था, बल्कि भारत की उस परंपरा को भी सामने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के जरिए गुरुदेव के होलोग्राम को देखना और उनसे बातचीत का अनुभव करना उनके लिए भावुक क्षण था। सप्ते उन्हें 1993 में वडोदरा में हुई मुलाकात की याद आ गई। उन्होंने कहा कि उस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत, गुरुदेव का स्नेह और उनका आशीर्वाद आज भी उन्हें याद है।

वोट लिस्ट और एसआईआर पर भ्रम दूर करने उतरेगी भाजपा देशभर में चलाएगी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान- नितिन

नई दिल्ली। वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस, सीजेपी और विपक्ष के तत्काल सक्रिय होने को कहा गया है। अभियान का जोर एसआईआर पर फैलाये जा रहे भ्रम को दूर कर मतदाता सूची की शुद्धता के बारे में आम जनता को अवगत कराना है। अभियान के तहत प्रत्येक जिला मुख्यालयों पर पदयात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें प्रत्येक पदयात्रा में 10 हजार लोगों की



भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही हर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 200 प्रबुद्ध एवं आमंत्रित नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए विश्वविद्यालयों, कालेजों, आइटीआई और कोचिंग संस्थानों में कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रीय स्तर पर 10 लाख से अधिक युवाओं और पेशेवरों तक पहुंचने और जोड़ने का लक्ष्य। साथ ही राष्ट्रीय, प्रदेश और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

इसके माध्यम से भाजपा जनता तक साफ संदेश पहुंचाने की कोशिश करेगी कि विपक्षी दल और खासकर कांग्रेस अराजकता फैलाकर सत्ता हथियाने की कोशिश कर रही है, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। सूत्रों के अनुसार गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने देशव्यापी अभियान चलाने का निर्देश जारी कर दिया है। इस संबंध में सर्कुलर जारी कर सभी राज्य इकाइयों को

अरुणाचल सीमा पर बढ़ा तनाव: कई जगहों पर आमने-सामने के हालात; ITBP चीफ बोले - हमारे शौर्य कमांडो तैयार



नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर तनाव की खबर सामने आई है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर चीनी सेना के साथ भारतीय जवानों का आमना-सामना हुआ है और कुछ जगहों पर स्थिति अब भी जारी है। उन्होंने 'हिमवीर सम्मान समारोह' में ITBP की नई लड़ाकू टीम 'शौर्य कमांडो' के प्रदर्शन की सराहना की।

ITBP महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने 22 अक्टूबर को बल के 65वें स्थापना दिवस से पहले आयोजित सम्मान समारोह में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल के दिनों में अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर आमने-सामने की स्थिति बनी। इनमें से कुछ स्थितियां अभी भी जारी हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में तैनात 'शौर्य कमांडो' टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अरुणाचल प्रदेश के उत्तरी सुबनसिरी जिले के तवांग नहीं, बल्कि तक्सिग क्षेत्र के आसपास सीमा पर तनाव की खबरों सामने आई हैं।

हर बटालियन में कमांडो टीम बनाने की तैयारी

ITBP प्रमुख के मुताबिक, बल की हर बटालियन में कमांडो टीम तैयार की जा चुकी है और दो अतिरिक्त टीमों गठित करने की प्रक्रिया चल रही है। लक्ष्य प्रत्येक बटालियन में एक पूरी कमांडो कंपनी तैयार करना है। इसके अलावा, विशेष कमांडो अभियानों के लिए अलग बटालियन बनाने की योजना पर भी काम हो रहा है। 'शौर्य कमांडो' को कठिन पहाड़ी और ऊंचाई वाले सीमावर्ती इलाकों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है। इन टीमों का उद्देश्य सीमा पर तैनात जवानों की परिचालन क्षमता को मजबूत करना है।

ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक पर बढ़ेगा जोर

ITBP महानिदेशक ने कहा कि ड्रोन ने युद्ध के पारंपरिक तरीकों को बदल दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आधुनिक संघर्षों में ड्रोन और दूसरी नई तकनीकों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए ITBP ड्रोन संचालन और पायलटों (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सीवान में पटारखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट: 5 की मौत, कई घायल; डेढ़ से दो घंटे तक होते रहे धमाके

पटना। बिहार के सीवान जिले के जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में पटाखे बनाने के दौरान भीषण धमाका हुआ। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। धमाके से मकान को भारी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर राहत और बचाव कार्य के साथ हताहतों की संख्या की पुष्टि की जा रही है।

घर में मौजूद थे परिवार के 7 सदस्य

सीवान के SP भरत सोनी के मुताबिक, गांव के मुखिया ने बताया कि हदसे के समग्र परिवार के 7 सदस्य घर के अंदर मौजूद थे। अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। बाकी 3 लोगों की स्थिति का पता लगाया जा रहा है। SP ने बताया कि घटनास्थल पर रुक-रुककर धमाके हो रहे हैं। ऐसे में सभी लोगों की



स्थिति की पुष्टि करना अभी बाकी है।

फॉरेंसिक टीम ने शुरू की जांच

SP भरत सोनी ने बताया कि मेडिकल टीम हताहतों की संख्या की पुष्टि करेगी। इसके बाद ही मृतकों की ऑटम संख्या स्पष्ट हो पाएगी। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई है। टीम घटनास्थल से नमूने इकट्ठा करेगी, ताकि विस्फोट के कारणों की जांच की जा सके।

करीब दो घंटे तक होते रहे धमाके

स्थानीय लोगों के मुताबिक, धमाके रुक-रुककर करीब डेढ़ से दो घंटे तक होते रहे। इससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमाकों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मकान का हिस्सा गिर गया। मलबा सड़क तक फैल गया। प्रारंभिक जानकारी के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

संख्या स्पष्ट हो पाएगी। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई है। टीम घटनास्थल से नमूने इकट्ठा करेगी, ताकि विस्फोट के कारणों की जांच की जा सके।

करीब दो घंटे तक होते रहे धमाके

स्थानीय लोगों के मुताबिक, धमाके रुक-रुककर करीब डेढ़ से दो घंटे तक होते रहे। इससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमाकों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मकान का हिस्सा गिर गया। मलबा सड़क तक फैल गया। प्रारंभिक जानकारी के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता, सामूहिक आस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक-द्रौपदी मुर्मु

माओवाद से मुक्त बस्तर में अब नवनिर्माण और विकास की बारी - मुख्यमंत्री

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज बस्तर को आराध्य देवी माँ दैतेधरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था,



सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनूठा उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का प्रयास है। राष्ट्रपति ने माँ दैतेधरी की नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय

राहुल कांग्रेस के फेल प्रोडक्ट, उन्हें लॉन्च करने के जितने भी प्रयास किए गए, वे सब विफल रहे - सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में दिए गए बयान राहुल गांधी भारतीय राजनीति के फेल प्रोडक्ट पर बात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अपने विदेश दौरों के दौरान संदिग्ध लोगों से मिलते हैं और देश लौटने के बाद भारत विरोधी प्रचार करते हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, सत्ता से बाहर रहते हुए जल बिन तड़पती मछली जैसी कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस पार्टी का मूल मंत्र सत्ता में रहते हुए लूट-खसोट करना, समाज में फूट डालना और भारतीय धर्म व संस्कृति के प्रति



दिल में घृणा है। इसके झाड़बिगड़ इंजन दुर्भाग्य से देश में विपक्ष के नेता भी हैं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, शायद यह देश से कहीं ज्यादा कांग्रेस पार्टी के लिए, क्योंकि वह इस समय देश से चंपत होकर, सूत्रों के अनुसार चंपा में विचरण कर रहे हैं। चंपा वियतनाम का प्राचीन नाम है। वे देश और अपनी खुद की पार्टी, दोनों के लिए एक पहेली बन गए हैं। जहां प्रधानमंत्री मोदी का ट्रैक

रिकॉर्ड उपलब्धियों से भरा है, वहीं राहुल गांधी का ट्रैक रिकॉर्ड कांग्रेस पार्टी के लिए समस्याओं से भरा हुआ है। आज, कांग्रेस पार्टी ने न केवल अपने भविष्य को खतरे में डाला है, बल्कि देश के संवैधानिक ढांचे को भी दांव पर लगा दिया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, मैं इस दावे के समर्थन में तथ्य और सबूत पेश करूंगा कि वह (राहुल गांधी) एक फेल प्रोडक्ट है। इसी पीढ़ी के लोगों को शायद याद हो या बाकी लोगों ने इसके बारे में पढ़ा हो कि उन्हें दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज में एक राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज और शूटिंग एथलीट के तौर पर दाखिला मिला था। लेकिन, उसके बाद वह अपने निशाने चूकते रहे और देश ने शूटिंग में उनकी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 50 ट्रेनों कैसिल: 27 नवंबर से 17 दिसंबर तक नहीं चलेगी गाड़ियां

बिलासपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 50 एक्सप्रेस ट्रेनों को 27 नवंबर से 17 दिसंबर 2026 के बीच अलग-अलग तरीकों से कैसिल किया गया है। वहीं, आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस राउरकेला तक ही चलेगी, जबकि उकल एक्सप्रेस का रूट बदल दिया गया है। इसके अलावा कई लंबी दूरी की ट्रेनें भी प्रभावित होंगी। आजाद हिंद एक्सप्रेस 14 दिसंबर को 2 घंटे देरी से रवाना होगी।

रेलवे के झारसुगुड़ा पैसेंजर यार्ड में काम के चलते ये फैसला लिया गया है। इसका असर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान समेत कई राज्यों के यात्रियों पर पड़ेगा। 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस: 28 नवंबर और

4 से 15 दिसंबर 2026 तक यह ट्रेन राउरकेला स्टेशन तक ही चलेगी। राउरकेला से दुर्ग के बीच ट्रेन रह रहेगी। 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस: 29 नवंबर और 5 से 16 दिसंबर 2026 तक यह ट्रेन राउरकेला स्टेशन से ही रवाना होगी। दुर्ग से राउरकेला के बीच ट्रेन रह रहेगी। आजाद हिंद एक्सप्रेस 2 घंटे देरी से चलेगी: 14 दिसंबर 2026 को पुणे से रवाना होने वाली 12129 पुणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस 2 घंटे की देरी से चलेगी। रेलवे ने अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले ट्रेन की सही स्थिति और समय की जानकारी रेलवे की आधिकारिक पृष्ठताह सेवा NTES या हेल्पलाइन नंबर 139 से जरूर ले लें, ताकि परेशानी से बचा जा सके।

पटरी पार इलाके में छह घंटे रही बिजली गुल, छाया रहा अधेरा

त्योहारी सीजन में बिजली गुल रहने से कामकाज व व्यवसाय हो रहा प्रभावित

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश में बिजली गुल होने की समस्या जा नहीं रही है। एक जमाने में सरप्लस बिजली उत्पादन करने वाला राज्य न जाने क्यों कर आए दिन बिजली गुल की समस्या को झेल रहा है। आफ सीजन में बिजली गुल हो तो एक बार माना जा सकता है लेकिन सबसे बड़ा त्योहार दीपावली के समय बिजली गुल की समस्या लोगों को रुला रही है। शहर के पटरी पार इलाकों में गुरुवार को दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक छह घंटे बिजली गुल रही। इससे लोगों को परेशान होना पड़ा। छह-छह घंटे बिजली बंद होना एक रिकॉर्ड ही कहा जाना चाहिए, वह भी बगैर बताए। बता दें कि अभी लोग दीपावली त्योहार की तैयारी में लगे हुए हैं। घर दुकान

मकान आदि की साफ-सफाई से लेकर रंग पेंट, डिस्टेंपर आदि की रंगाई पुताई का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। ऐसे समय में लंबे समय तक बिजली गुल किए जाने से न के उक्त कार्यों में परेशानी उपस्थित हो रही है, बिजली आधारित उद्योग धंधे, कामकाज व दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। शहर में आए दिन बिजली गुल की समस्या आम बात हो गई है लेकिन लंबे समय तक बिजली गुल किए जाने की कम से कम लोगों को सूचना तो दे? दिया जाना चाहिए? लेकिन बिजली कंपनी वालों से यह भी नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों का आक्रोश बढ़ रहा है। गुरुवार को पटरी पार इलाके में छह-छह घंटे तक हुई बिजली गुल पर आक्रोश जताते हुए लोगों ने बिजली कंपनी पर



मनमानी किए जाने कि आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि बिना उन्हें सूचना दिए स्टेशन पारा, शिक्षक नगर व गौरी नगर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल की गई। पटरी पार के लोगों का कहना है कि ट्रांसफर है चुका है उसके स्थान पर दूसरे अफसर ने अब तक ज्वाइन नहीं दी है। इससे लोगों की शिकायतें सुनी नहीं जा रही

लाइन शिफ्टिंग के चलते बिजली गुल थी

उक्त मामले में बिजली कंपनी के अफसरों का कहना है कि शिक्षक नगर में सालों से 11 केबी एलटी लाइन की शिफ्टिंग की मांग थी। लोग करीब 40 मकानों की छत के उपर से लाइन गुजरने से परेशान थे। इसके चलते फ्रस्ट फ्लोर पर मकान नहीं बना पा रहे थे। उक्त हेतु इसी लाइन की शिफ्टिंग की गई। जिसके चलते बिजली गुल रही। उनका कहना है कि उक्त संबंध में सूचना दी गई थी। लेकिन अखबार में प्रकाशन नहीं हुआ था।

और न समाधान किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी उम्मीद की किरण



श्रमिकों और उनके परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिली। राजनांदगांव जिले के 13 सुरक्षा गार्डों को नियोजन पक्ष द्वारा वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा था। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सहायक श्रम आयुक्त राजनांदगांव ने तत्काल प्रकरण की जानकारी प्राप्त की और

सीएम हेल्पलाइन से 13 सुरक्षा गार्डों को मिला 2.91 लाख रूपए का बकाया वेतन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत के बाद श्रम विभाग ने की त्वरित कार्रवाई

राजनांदगांव (दावा)। मेहनत कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले श्रमिकों के लिए समय पर वेतन मिलना सबसे बड़ी जरूरत होती है। ऐसे में मेहनत की कमाई रुक जाए, तो घर की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो जाता है। राजनांदगांव जिले के 13 सुरक्षा गार्डों के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 उम्मीद की किरण साबित हुई। श्रम विभाग की तत्परता से उन्हें कुल 2 लाख 91 हजार 754 रूपए का बकाया वेतन मिला। इससे

संबंधित नियोजन पक्ष से संपर्क कर नियमानुसार कार्रवाई की। विभागीय पहल के परिणामस्वरूप सभी 13 सुरक्षा गार्डों को उनके बकाया वेतन का भुगतान सुनिश्चित कराया गया। लंबे इंतजार के बाद मेहनत की कमाई मिलने से श्रमिकों की आर्थिक चिंता कम हुई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से मिली इस राहत ने शासन की शिकायत निवारण व्यवस्था के प्रति उनका भरोसा मजबूत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व

में राज्य शासन श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण और उनकी समस्याओं के समयबद्ध निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। श्रम विभाग राजनांदगांव द्वारा श्रमिकों से अपील की गई है कि वेतन भुगतान में विलंब, बकाया वेतन अथवा अन्य श्रम संबंधी समस्याओं की स्थिति में संबंधित विभाग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर उन्हें उनका अधिकार दिलाया जा सके।

पहला कॉलम...

कल श्री रामधाम अयोध्या पारिनाला में शरद पूर्णिमा पर्व, भजनों की गूंज के साथ मध्यरात्रि बटेगी अमृतमयी खीर

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय श्री रामधाम अयोध्या (पारिनाला) में आगामी 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर धाम परिसर में भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन रखा गया है। जिसमें श्रद्धालु प्रभु भक्ति के भजनों का आनंद लेंगे। मध्यरात्रि 12 बजे के बाद उपस्थित सभी भक्तों के बीच शरद पूर्णिमा की विशेष खीर प्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार धाम परिसर स्थित 'सीता राम बैंक' में भक्तों द्वारा हस्तलिखित कुल 4,24,24,242 (चार करोड़ चौबीस लाख चौबीस हजार दो सौ ब्यालीस) राम नाम लेखन मंत्र संकलित हो चुके हैं। इस महत्वपूर्ण आध्यात्मिक उपलब्धि और पत्रक लेखन में सहयोग देने वाले सभी साधकों के सम्मान व पावन पर्व के उपलक्ष्य में यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। शरद पूर्णिमा के अवसर पर संस्था द्वारा उन सभी धर्मप्रियों को निःशुल्क रामनाम पत्रक उपलब्ध कराया जाएगा। जो निर्गमित रूप से राम नाम लेखन करना चाहते हैं। श्री रामधाम अयोध्या के पुजारी महंत राम कुमार साहू एवं राम भक्त पूरन लाल ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रियों व भक्तों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भजन-कीर्तन, प्रभु दर्शन एवं मध्यरात्रि खीर प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

नशामुक्त युवा ही सशक्त और स्वस्थ समाज की आधारशिला

राजनांदगांव (दावा)। माय भारत राजनांदगांव द्वारा शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त युवा विषय पर पड़ोस युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ ही स्वस्थ, सकारात्मक एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे, समाज कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती वैशाली मराठवार, विषय विशेषज्ञ एनटीपीसी की जिला सलाहकार डॉ. नीहालिका टोपे एवं समाज सेविका श्रीमती गीता साहू उपस्थित थीं। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने नशे की लत से बचाव, व्यसन से मुक्ति तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के व्यावहारिक उपायों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। साथ ही युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने और परिवार एवं समाज में नशामुक्त के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। पड़ोस युवा संसद में युवाओं ने नशामुक्त के संबंध में अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं युवाओं को नशामुक्त की शपथ दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौज एवं माय भारत राजनांदगांव के जिला युवा अधिकारी शुभजीत देव विशेष रूप से उपस्थित थे।



ऑनलाइन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

राजगामी संपदा न्यास अध्यक्ष पूर्णिमा साहू ने किया जमीनों का निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। शहर में राजगामी संपदा न्यास की बेशकीमती जमीनों के सुव्यवस्थित उपयोग, अवैध कब्जों पर रोक और लंबित विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थलों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जहां एक ओर अतिक्रमण से जुड़े मामलों में सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की समीक्षा की गई। वहीं दूसरी ओर शहर के मुख्य मार्गों पर व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और बैंक परिसर निर्माण की योजनाओं को पुनः गति देने पर सहमति बनी। अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू ने सबसे पहले बाकल-पनेका

क्षेत्र का दौरा किया, जहां न्यास की जमीन पर अवैध कब्जे के मामले सामने आए थे। उन्होंने मौके की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए उन मामलों की समीक्षा की, जिनमें अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक व न्यास की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमानुसार बेदखली की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कमला कॉलेज के पास बनेगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

शहर के प्रमुख क्षेत्रों में खाली पड़ी न्यास की संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई।



कमला कॉलेज के समीप प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स स्थल का मुआयना करते हुए अधिकारियों के साथ योजना के तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं पर विमर्श किया गया। इस स्थल पर व्यावसायिक परिसर बनने से स्थानीय युवाओं और व्यापारियों को नए अवसर

मिलेंगे। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम के पीछे गौरव पथ स्थित राजगामी संपदा की भूमि का भी स्थल निरीक्षण किया गया। वहीं लंबे समय से प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं बैंक परिसर की योजना को पुनर्जीवित करने की संभावनाओं पर बल दिया गया। इस परियोजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र में

गोल बाजार के मटन एवं मछली मार्केट को बंद करने विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

तीन दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी, राजगामी संपदा के तहसीलदार एवं व्यवस्थापक को सौंपा आवेदन

राजनांदगांव (दावा)। शहर के गोल बाजार स्थित मटन एवं मछली मार्केट को तत्काल बंद करने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल राजनांदगांव द्वारा 23 अक्टूबर को राजगामी संपदा के तहसीलदार एवं व्यवस्थापक को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में संगठन ने उल्लेख किया कि राजगामी संपदा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गोल



बाजार में मटन एवं मछली की दुकानें संचालित हो रही हैं। संगठन ने गौरी नगर में गोहत्या की घटना के बाद गोमांस की बिक्री इस मार्केट से होने की आशंका जताते हुए संबंधित बाजार को पूर्ण रूप से बंद करने की मांग की है।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाए तथा गोल बाजार के मटन एवं मछली मार्केट को बंद किया जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि तीन दिनों के

भाजपा ने किया 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़ तंत्र हटाओ' अभियान का आगाज, सात आयामों से होगा जन-जागरण

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान का आगाज किया गया है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के बीच पहुंचकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान और विपक्ष की कथित नकारात्मक राजनीति के खिलाफ जनजागरण करेंगे। अभियान के सुचारु संचालन के लिए जिला स्तर पर सात आयामों के प्रभारी व समन्वयकों की नियुक्ति की गई है। वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख को इस महत्वपूर्ण जिला टोली का संयोजक नियुक्त किया गया है।

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति का जवाब- राजपूत जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल

वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख बने जिला टोली संयोजक, 5 नवंबर तक पदयात्रा

सिंह राजपूत ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल जंतर-मंतर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भीड़तंत्र के बल पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संवैधानिक मर्यादाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। इस प्रकार की विघटनकारी राजनीति से देश की छवि धूमिल होती है। इसी का लोकतांत्रिक जवाब देते और जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से भाजपा ने इस व्यापक अभियान को शुरूआत की है। यह विशेष अभियान आगामी 5 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान समाज के हर वर्ग-विशेषकर युवाओं, प्रबुद्धजनों और छात्रों तक सीधे संवाद के माध्यम से पहुंच बनाई जाएगी।

अभियान के संपूर्ण प्रभार की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख को सौंपी गई है। उनके साथ जिला टोली में राजेंद्र गोलछा, डिकेश साहू, रमन डोंगरे, रविंद्र वैष्णव एवं प्रशांत कोडोपे को

सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन हेतु सात प्रमुख आयामों के संयोजक इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं। जिसमें पदयात्रा महापौर मधुसूदन यादव, बौद्धिक संवाद शशिकान्त द्विवेदी, युवा संवाद रचिन सिंह बघेल, छात्र प्रतिस्पर्धा भरत वर्मा, सोशल मीडिया इम्पलूमेंटर कवरेज नीलू शर्मा, विशेषकर पत्रिकाएं योगेशदत्त मिश्रा, प्रेस कॉन्फ्रेंस अमर लालवानी आदि हैं।

कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाएं संवैधानिक मूल्यों का संदेश: खूबचंद पारख

अभियान के जिला संयोजक खूबचंद पारख ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव और वाडों में पहुंचकर लोकतांत्रिक की मजबूती और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश देंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, मोर्चा-प्रकोष्ठों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे निर्धारित समय-सीमा में आयोजित होने वाले सभी सातों आयामों के कार्यक्रमों में पूरी निष्ठा व सक्रियता से सहभागिता सुनिश्चित करें।

अनुशासनहीनता के आरोप में भाजपा जिला मंत्री ऋषिदेव चौधरी पदमुक्त



राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी में अनुशासनहीनता के मामले पर कड़ा रुख अपनाने हुए प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने राजनांदगांव जिला मंत्री ऋषिदेव चौधरी को उनके दायित्व से पदमुक्त कर दिया है। यह कार्रवाई संभाज प्रभारी, जिला प्रभारी एवं जिला संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की अनुशंसा के आधार पर की गई है। पार्टी नेतृत्व के इस सख्त कदम को संगठन में अनुशासन बनाए रखने के कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

मंडल अध्यक्ष से कथित विवाद बना कारण

मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगांव मंडल अध्यक्ष के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने एवं हाथापाई का मामला सामने आया था। इस घटनाक्रम को प्रदेश नेतृत्व ने गंभीरता से लिया। प्राथमिक जांच और स्थानीय संगठन की रिपोर्ट के बाद प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने ऋषिदेव चौधरी को तत्काल प्रभाव से जिला मंत्री पद से विमुक्त करने का आदेश जारी किया।

कार्रवाई से युवाओं में निराशा, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के कट्टर समर्थक ऋषिदेव चौधरी को पदमुक्त किए जाने के फैसले के बाद शहर के युवाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा का माहौल देखा जा रहा है। युवा कार्यकर्ताओं का कहना है कि बिना किसी विधिवत और निष्पक्ष जांच के सीधे कार्रवाई किए जाने से सक्रिय युवाओं का मनोबल प्रभावित हुआ है। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि पूर्व में भी शहर में अनुशासनहीनता और विवाद के कई गंभीर मामले सामने आए हैं, जिनमें ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में एकपक्षीय कार्रवाई को लेकर संगठन के भीतर समान मापदंडों पर सवाल उठने लगे हैं। युवा वर्ग और समर्थकों की मांग है कि संगठन की गरिमा और कार्यकर्ताओं के सम्मान की रक्षा के लिए इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए। सभी पक्षों को अपना पक्ष रखने का समुचित अवसर मिलना चाहिए, ताकि संगठन के भीतर न्याय, पारदर्शिता और आपसी विश्वास की भावना सुदृढ़ रह सके।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

पुराने निर्माण कार्यों को दिसम्बर तक पूर्ण करने के लिए निर्देश, बारिश में रुके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा कार्यों में तेजी लाने कहा

राजनांदगांव (दावा)। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज न्यू सफ्टिक हाउस राजनांदगांव में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं लंबित सड़कों, पुल-पुलियां तथा भवन निर्माण कार्यों की विस्तृत जांचकारी ली। सचिव श्री बंसल ने पुराने एवं लंबित निर्माण कार्यों को आगामी दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के कारण रुके निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने गुणवत्ताहीन एवं समय-सीमा में कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर जितेंद्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुर्गा प्रसाद अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। सचिव श्री बंसल ने जिले में सड़क निर्माण, चौड़ीकरण,



मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यों में आ रही तकनीकी एवं प्रशासकीय समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण कर निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए।

श्री बंसल ने विभिन्न शासकीय भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने

निर्माणाधीन भवनों के कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनके कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों को दीपावली त्यौहार से पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान समय पर होना चाहिए तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मजदूरी भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सचिव श्री बंसल ने बैठक में कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्य नागरिकों की सुविधाओं एवं क्षेत्र के विकास से सीधे जुड़े हुए हैं। इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

खादू वाले श्याम प्रभु के जन्मोत्सव पर पांच दिवसीय भव्य महोत्सव 17 नवंबर से



आदर्श दाधीच कटिहार

प्रेम शर्मा लक्ष्मणगढ़ राजस्थान

राजनांदगांव (दावा)। श्री श्याम भरोसे परिवार द्वारा स्थानीय श्री हनुमान श्याम मंदिर में खादू वाले श्याम प्रभु के जन्मोत्सव कार्तिक शुक्ला एकादशी पर पांच दिवसीय महोत्सव आगामी 17 नवंबर से 21 नवंबर तक बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धूमधाम से मनाए जाने हेतु व्यापक तैयारी का जा रही है। श्री श्याम भरोसे परिवार के राजेश शर्मा, शंकर सिंह कोठारी, अमित खंडेलवाल, बंसी अग्रवाल, संतोष बावरिया, योगेश लोहिया एवं प्रशांत अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संस्कारधानी नगरी में खादू वाले श्याम प्रभु का जन्मोत्सव अनेक वर्षों से भक्तिभाव पूर्वक मनाया जा रहा है। आगामी कार्तिक शुक्ला एकादशी 20 नवंबर को श्याम प्रभु के जन्मोत्सव पर पांच दिवसीय आयोजन 17 नवंबर से 21 नवंबर तक संपन्न होगा। श्री श्याम जन्मोत्सव का शुभारंभ श्री हनुमान श्याम मंदिर में कार्तिक शुक्ला अष्टमी मंगलवार 17 नवंबर को दोपहर 1:15 बजे से श्री श्याम भक्तों को श्री श्याम नाम की मेहंदी लगाने से होगा वहीं रात्रि 7:2 बजे से सुप्रसिद्ध हनुमंत भक्त गणेश मिश्रा के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। द्वितीय दिवस कार्तिक शुक्ला नवमी बुधवार 18 नवंबर शाम 5:15 बजे रामाधीन मार्ग स्थित श्री श्याम कुटी से भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। जो नगर भ्रमण

करते हुए जी ई रोड रायपुर नाका स्थित श्री हनुमान श्याम मंदिर पहुंचेगी।

दो दिन भव्य भजनों की प्रस्तुति देंगे सुविख्यात गायक

श्री श्याम भरोसे परिवार द्वारा आगे बताया गया है कि महोत्सव के तृतीय दिवस कार्तिक शुक्ला दशमी गुरुवार 19 नवंबर को भव्य भजन संध्या में कटिहार के सुप्रसिद्ध श्याम सेवक आदर्श दाधीच रात्रि 8:15 बजे से अपनी ओजस्वी वाणी से भजनों की कुहरा से भक्त एवं भगवान को रिक्षाएंगे। जन्मोत्सव के चतुर्थ दिवस कार्तिक शुक्ला एकादशी शुक्रवार 20 नवंबर श्री श्याम जन्मोत्सव पर मुख्य समारोह के अंतर्गत भव्य भजन संध्या रात्रि 8:15 बजे से आयोजित है। जिसमें लक्ष्मणगढ़ निवासी श्याम प्रभु के अनन्य सेवक प्रेम शर्मा अपनी सुमधुर वाणी से भजनों की अमृत गंगा में भक्तों को स्नान करवाएंगे। महोत्सव के पंचम दिवस कार्तिक शुक्ला द्वादशी 21 नवंबर को दोपहर 12:15 बजे से श्री श्याम रसोई महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित है। आयोजन समिति ने नगर के श्रद्धालु माता-बहनों एवं बंधुओं से आग्रह किया है कि श्री श्याम जन्मोत्सव पर आयोजित पांच दिवसीय महोत्सव में सम्मिलित होकर एवं तन-मन-धन से सहयोग कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट में आधुनिक व समग्र शिक्षा पर जोर, 475 दाखिलों के साथ इस सत्र के प्रवेश बंद, नए सत्र की बुकिंग शुरू



० पारंपरिक विषयों के साथ एआई, कम्प्यूटर साइंस और जीवन-कौशल पर विशेष फोकस
० डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल स्कूल में 2 वर्षों में 500 प्रवेश, सीजी बोर्ड में न्यूनतम दरों पर शिक्षा को पहल

विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के साथ-साथ कम्प्यूटर साइंस, डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), कला एवं डिजाइन, संगीत, शारीरिक शिक्षा, विदेशी भाषाएं और योग व स्वास्थ्य शिक्षा का नियमित अध्यापन कराया जा रहा है। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, समस्या-समाधान क्षमता, रचनात्मकता, संवाद-कौशल और नैतिक निर्णय देने की क्षमता विकसित की जा रही है।

475 दाखिले पूरे, नए सत्र की अग्रिम बुकिंग जारी संजय बहादुर सिंह

डायरेक्टर संजय बहादुर सिंह ने बताया कि इस शैक्षणिक सत्र के लिए निर्धारित 475 प्रवेश पूर्ण हो चुके हैं, जिसके बाद वर्तमान सत्र के दाखिले बंद कर दिए गए हैं। अब इच्छुक पालकों के लिए आगामी सत्र हेतु सीटों की बुकिंग शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विगत 6 वर्षों से संस्था में प्रतिवर्ष 400 से

500 नवीन प्रवेश हो रहे हैं, जो संस्था की शैक्षणिक गुणवत्ता और पालकों के निरंतर बढ़ रहे विश्वास का प्रमाण है।

डायरेक्टर श्री सिंह ने आगे बताया कि आईसीएसई पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट मुकाम हासिल करने के बाद सीबीएसई पैटर्न पर नवीन शाला आरंभ की गई। इसके साथ ही संस्थापक स्व. डॉ. जेबी सिंह की स्मृति में स्थापित डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भी मात्र दो वर्षों में लगभग 500 प्रवेश दर्ज किए गए हैं। अधिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए छातीसगढ़ बोर्ड के तहत अत्यंत न्यूनतम शुल्क पर उत्कृष्ट शिक्षा पुनः प्रारंभ की जा रही है, जिससे हर वर्ग को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

ट्यूशन की आवश्यकता नहीं - अभिषेक खंडेलवाल

एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल ने कहा कि संस्था का परीक्षा परिणाम और प्लेसमेंट ऐतिहासिक व अद्वितीय रहा है। शाला में शिक्षण इस स्तर का दिया जाता है कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अतिरिक्त ट्यूशन की आवश्यकता नहीं पड़ती। संस्थापक डॉ. जेबी सिंह के न्यूनतम शुल्क पर अधिकतम गुणवत्ता देने के विजन को संस्था निरंतर साकार कर रही है।

संस्था की इस उपलब्धि और शैक्षणिक कार्यप्रणाली की संस्था अध्यक्ष डॉ. सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, जमनेजय बहादुर सिंह, श्रेयाश बहादुर सिंह, राहुल देव चौधरी, बरसर डी. आई.के. वैष्णव, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, प्राचार्य एकात खंडेलवाल, ममता मिश्रा, अर्पणा वर्मा और सरिता सिंह सहित सम्मान आरकेसी परिवार ने सराहना की है।

290 करोड़ की राजनांदगांव-मोहला मानपुर सड़क निर्माण में बड़े भ्रष्टाचार का आरोप, ईओडब्ल्यू जांच की मांग

भाजपा सांसद व भाजपा नेता की शिकायतों पर भी कार्रवाई न होने पर कांग्रेस नेता हेमंत ओस्तवाल ने उठाए सवाल, पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता की भूमिका पर घेरा



राजनांदगांव (दावा)। शहर कांग्रेस के पूर्व महामंत्री एवं पूर्व पार्षद हेमंत ओस्तवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव को पत्र लिखकर राजनांदगांव से मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी तक 290 करोड़ रुपये की लागत से बन रही सड़क निर्माण परियोजना में भारी भ्रष्टाचार और गुणवत्ताहीन कार्य का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) से कराने की मांग की है। ओस्तवाल ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के प्रमुख जनप्रतिनिधियों द्वारा लिखित शिकायतें किए जाने के बावजूद विभागीय स्तर पर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

ओस्तवाल के अनुसार, पूर्व में अमर इन्फ्रास्ट्रक्चर (दुर्ग) के ठेकेदार द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निविदा ली गई थी। 20 प्रतिशत बिलों की स्वीकृति को बाद में बदलकर 17 प्रतिशत कर शासन को लगभग 9 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया। इस संबंध में राजनांदगांव के भाजपा सांसद संतोष पाण्डेय द्वारा मई 2026 में पीडब्ल्यूडी सचिव से शिकायत कर टेंडर निरस्त करने की मांग की गई थी, परंतु ठेकेदार पर क्या ठोस कार्रवाई हुई, इसका खुलासा आज तक नहीं किया गया। इसके बाद के.एल. अग्रवाल को जारी कार्यादेश के तहत सड़क डामरीकरण व पुल-पुलिया निर्माण में

निविदा शर्तों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगा। इस गुणवत्ताहीन निर्माण की शिकायत भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष भरत वर्मा ने विभागीय मंत्री व प्रशासनिक अधिकारियों से की थी। भरत वर्मा की शिकायत पर 3 अक्टूबर 2026 को पीडब्ल्यूडी द्वारा चार सदस्यीय जांच समिति गठित कर तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए थे। 7 अक्टूबर की अंतिम तिथि बीत जाने के बावजूद समिति का प्रतिवेदन नहीं आया। अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी के रहते निष्पक्ष जांच संभव नहीं

दिख रही है। 22 अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी सचिव मुकेश बंसल द्वारा किए गए स्थल निरीक्षण के दौरान पूर्व में गठित जांच समिति के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए।

इन तकनीकी बिंदुओं पर ईओडब्ल्यू जांच की मांग

ओस्तवाल ने पीडब्ल्यूडी सचिव से तकनीकी बिंदुओं की विस्तृत जांच कराने की मांग रखी है। ठेकेदार के प्लांट की क्षमता, स्थापना स्थल के फोटोग्राफ्स और कार्यपालन अभियंता (ईई) द्वारा सत्यापित दस्तावेजों की पड़ताल। प्लांट से प्रतिदिन निकले मटेरियल की मात्रा और प्लांट के मालिकाना हक संबंधी दस्तावेजों की जांच। निर्धारित मानकों के अनुसार सड़क की थिकनेस और परतों की मोटाई जांचने व लिए बेलनाकार नमूनों की लैब टेस्टिंग। डामर की निर्धारित मात्रा का अनुपात और डामर खरीद-बिक्री के सभी मूल वाउचर/बिलों का मिलान। फील्ड डेसिग्न और सड़क के कम्पैक्शन की मानक जांच। हेमंत ओस्तवाल ने कहा कि यदि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के प्रति गंभीर है, तो अपने ही सांसद और वरिष्ठ नेताओं द्वारा उठाए गए मामलों को सार्वजनिक कर दोषी ठेकेदारों और जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करें।

नगर निगम में विकास कार्यों में भेदभाव के आरोप बेबुनियाद : भाजपा पार्षद रवि सिन्हा ने नेता प्रतिपक्ष पर किया पलटवार



राजनांदगांव (दावा)। देश की आंतरिक सुरक्षा एवं आम नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों की स्मृति में बुधवार 21 अक्टूबर को रक्षित आरक्षी केंद्र राजनांदगांव में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शहीद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नामों का वाचन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस महानिरीक्षक अजय कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक अकिता शर्मा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने शहीद पुलिस जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछर करने वाले वीर पुलिस जवानों का त्याग सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनका बलिदान पुलिस के प्रत्येक जवान को कर्तव्यनिष्ठा, साहस और जनसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उनके परिवारों का त्याग और योगदान भी सम्मान एवं कृतज्ञता का पात्र है। कार्यक्रम में शहीद जवानों के साहस, समर्पण और राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं उपस्थित अतिथियों ने शहीद जवानों के परिजनों को शान्त एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। समारोह में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

राजनांदगांव (दावा)। नगर पालिक निगम में विकास कार्यों हेतु राशि आवंटन को लेकर नेता प्रतिपक्ष संतोष पिछे द्वारा महापौर मधुसूदन यादव पर लगाए गए भेदभाव के आरोपों को भाजपा पार्षद रवि सिन्हा ने पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि जनता के बीच भ्रम फैलाना और राजनीतिक बयानबाजी कर बेबुनियाद आरोप लगाना अनुचित है। इससे जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होता।

सभी वार्डों में बिना भेदभाव के स्वीकृत हुए हैं कार्य

पार्षद रवि सिन्हा ने स्पष्ट किया कि शहर के सभी वार्डों में बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। स्थानीय विधायक, सांसद एवं महापौर के निरंतर प्रयासों से विकास कार्य निबांध गति से चल रहे हैं। यदि तकनीकी या बजट कारणों से किसी वार्ड में राशि का आवंटन रुका है, तो उसके लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विकास कार्यों के लिए कांग्रेस या भाजपा का माफ़दंड तय करना गलत है। सिन्हा ने कहा कि नगर निगम में विकास कार्यों की प्राथमिकता किसी राजनीतिक दल के आधार पर नहीं, बल्कि वार्डों की वास्तविक जरूरतों, नागरिक सुविधाओं की वर्तमान स्थिति और उपलब्ध वित्तीय



संसाधनों के आधार पर तय होती है। सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक वार्ड की आवश्यकता हैं। यदि किसी वार्ड में कोई कार्य लंबित है, तो संबंधित पार्षद को उसका विधिवत प्रस्ताव मांग-पत्र के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

प्रक्रियागत विलंब को राजनीतिक रंग देना गलत

उन्होंने आगे कहा कि किसी भी निर्माण कार्य में तकनीकी स्वीकृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं अथवा बजट की उपलब्धता के कारण स्वाभाविक विलंब हो सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर समाधान निकालना जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। हर लंबित कार्य को राजनीतिक भेदभाव का नाम देना विपक्ष की नकारात्मक मानसिकता को दर्शाता है। विपक्ष का काम केवल आरोप लगाना नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर रचनात्मक भूमिका निभाना भी है। भाजपा पार्षद ने कहा कि महापौर मधुसूदन यादव पूरे शहर के समग्र विकास के प्रति संकल्पित हैं। राजनांदगांव का विकास बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि ठोस कार्यों और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से संभव होगा। जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं चाहिए।

मांस-मटन दुकानों के लिए तय हो निर्धारित स्थल : हिंदू जागरण मंच

राजनांदगांव (दावा)। हिंदू जागरण मंच (जिला राजनांदगांव) ने नगर में संचालित मांस-मटन विक्रय केंद्रों के व्यवस्थित नियमन, गौमांस के अवैध विक्रय व परिवहन पर कड़ी रोक लगाने तथा गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है। इस संबंध में संगठन का जिलाधीश की औपचारिक जापान सौंपने का निर्णय लिया गया है। जापान की प्रतिलिपि महापौर और पुलिस अधीक्षक को भी सूचाना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है। संगठन का कहना है कि शहर की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, नागरिकों की सुविधा और धार्मिक-सांस्कृतिक भावनाओं के महदेजर मांस-मटन दुकानों के संचालन के लिए एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित



नीति बनाई जानी चाहिए।

एक या दो निर्धारित स्थलों पर ही मांस-मटन की बिक्री

जापान के अनुसार नगर के विभिन्न रहिवासी इलाकों में संचालित मांस दुकानों का विधिवत सर्वेक्षण कराया जाए। इसके बाद नगर निगम व संबंधित विभागों के

समन्वय से शहर में केवल एक अथवा अधिकतम दो उपयुक्त स्थलों को ही मांस विक्रय केंद्र के रूप में चिह्नित किया जाए। चयन करते समय स्कूल, कॉलेज, धार्मिक स्थलों, आवासीय क्षेत्रों और स्वच्छता मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए। निर्धारित स्थलों के अलावा अन्यत्र चल रही अवैध दुकानों पर कठोर विधिक कार्रवाई की मांग

की गई है।

गौमांस के अवैध कारोबार व परिवहन पर सख्त निगरानी

मंच ने जिले में गौवंश संरक्षण को सर्वोपरि बताते हुए गौमांस के अवैध विक्रय, भंडारण और परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अमले द्वारा नियमित सघन जांच, विक्रय केंद्रों के वैध दस्तावेजों के सत्यापन और शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था बनाने का आग्रह किया गया है। भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि में गौवंश के महत्व को रेखांकित करते हुए संगठन ने मांग की है कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने संबंधी प्रस्ताव को जिला

प्रशासन के माध्यम से राज्य शासन एवं केंद्र सरकार को विधिवत प्रेषित किया जाए। इसके साथ ही निराश्रित पशुओं के प्रबंधन, गौशालाओं की स्थिति में सुधार और बीमार गौवंश के समुचित उपचार की कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया गया। हिंदू जागरण मंच ने प्रशासन को सुझाव दिया है कि जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित कर इन विषयों पर विभागावार जवाबदेही तय की जाए। साथ ही की गई प्रशासनिक कार्रवाई की स्थिति लिखित रूप में संगठन को उपलब्ध कराई जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे। संगठन ने विश्वास जताया है कि जिला प्रशासन जल्द ही, स्वच्छता और धार्मिक आस्था से जुड़ी इन चार प्रमुख मांगों पर शीघ्र सकारात्मक और ठोस कदम उठाएगा।

अनमोल ‘दावा’

“जब तक आप स्वयं पर विश्वास नहीं करते, आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।

बदल रही युवाओं के करियर की दिशा

पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की दुनिया में यह धारणा लगभग स्थापित हो गई थी कि अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्रों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग और आइटो क्षेत्र के तेज विस्तार ने सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी पारंपरिक शाखाओं को धीरे-धीरे पीछे धकेल दिया था, पर अब तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है।

भारत में बुनियादी ढांचे के विस्तार और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक उद्योगों में बढ़ते निवेश ने युवाओं के करियर विकल्पों को नई दिशा देना शुरू कर दिया है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 जैसी पहल केवल आर्थिक विकास की योजनाएं नहीं, बल्कि रोजगार और कौशल की मांग को भी बदल रही हैं।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत में बुनियादी ढांचे की योजना बनाने के तरीके को बदलने की कोशिश है। इसके तहत सड़क, रेलवे, बंदरगाह, बिजली, नागर विमानन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों को अलग-अलग विकसित करने के बजाय उन्हें एक साझा योजना के तहत जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। अब तक इसने करीब 18.66 लाख करोड़ रुपये की 396 बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन किया है।

इनमें से 256 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और 198 पर निर्माण कार्य चल रहा है। इस मंच से 58 केंद्रीय मंत्रालय और सभी राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश जुड़े हैं। इस तरह के समन्वित निवेश का असर केवल सड़कों और रेलवे लाइनों की संख्या बढ़ने तक सीमित नहीं रहता। जब राजमार्ग, औद्योगिक गलियारे, बिजली नेटवर्क, बंदरगाह और गोदाम बेहतर तालमेल के साथ विकसित होते हैं तो निर्माण मजदूरों से लेकर सिविल-मैकेनिकल इंजीनियरों, सर्वेक्षकों, परियोजना प्रबंधकों और तकनीकी विशेषज्ञों तक-हर स्तर पर कुशल मानव संसाधन की मांग बढ़ती है।

आइआइएम बेंगलुरु के एक अध्ययन के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर खर्च किया गया प्रत्येक एक रुपया जीडीपी में 3.2 रुपये तक की वृद्धि कर सकता है। इसी तालमेल का नतीजा है कि देश की लाजिस्टिक्स लागत, जो कभी जीडीपी के 13-14 प्रतिशत के आसपास हुआ करती थी, अब घटकर करीब 7.9 प्रतिशत रह गई है। यानी बेहतर बुनियादी ढांचा केवल आवागमन आसान नहीं बनाता, बल्कि उद्योगों की लागत घटाकर आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है।

आज दुनिया की आधुनिक अर्थव्यवस्थाएं सेमीकंडक्टर के बिना नहीं चल सकती। मोबाइल फोन और कारों से लेकर रक्षा उपकरणों और एआई तक, लगभग हर आधुनिक तकनीक चिप पर निर्भर है। ऐसे में भारत लंबे समय तक केवल चिप का उपभोक्ता बने रहने के बजाय इस क्षेत्र में अपनी क्षमता विकसित करना चाहता है। इसके लिए हाल में सरकार ने सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को मंजूरी दी।

इसके तहत अब तक छह राज्यों में 12 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जिनमें सिलिकॉन फैब, कपाउंड सेमीकंडक्टर इकाइयां और असेंबली तथा टेस्टिंग इकाइयां शामिल हैं, लेकिन सेमीकंडक्टर उद्योग केवल फैब्रिकेशन लगाने से विकसित नहीं होगा। इसके लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की भी जरूरत होगी। 2026-27 के लक्ष्यों के अनुसार, सेमीकंडक्टर उद्योग में हजारों प्रत्यक्ष उच्च-कौशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

सरकार की स्मार्टलैब पहल के तहत एक लाख इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 62,000 का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। डिजाइन लिंकड इंसेंटिव योजना के तहत 105 भारतीय कंपनियों को चिप डिजाइन से जुड़े अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन नीतिगत बदलावों का असर अब इंजीनियरिंग कालेजों में छात्रों की पसंद पर भी दिखाई देने लगा है।

बीते डेढ़ दशक में कंप्यूटर साइंस का दबदबा इतना बढ़ गया था कि सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी शाखाएं कई छात्रों के लिए दूसरा विकल्प बन गई थीं, पर अब सिविल एव मैकेनिकल इंजीनियरिंग में भी आइआइटो जैसे संस्थानों में बेहतर रैंक वाले छात्रों की रुचि बढ़ी है। इसकी वजह सिर्फ बाजार का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि दो ठोस कारण हैं। पहला, एआई के बढ़ते असर ने खुद पारंपरिक आइटो नौकरियों को लेकर नई बहस छेड़ दी है, जिससे कई छात्र मशीनों, उत्पादन और भौतिक दुनिया से जुड़े क्षेत्रों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

दूसरा, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर मिशन, रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया जैसी दीर्घकालिक नीतियां वाकई कोर इंजीनियरों की मांग बढ़ा रही हैं। युवाओं के सोच में यह बदलाव किसी अस्थायी ट्रेड का नहीं, बल्कि जमीनी नीतिगत हकीकत का असर है। अब करियर का चुनाव इस आधार पर हो कि दस-पंद्रह वर्षों में किन कौशलों की जरूरत होगी।

भारत जिस तरह सड़क, रेल, ऊर्जा, लाजिस्टिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश कर रहा है, उससे साफ है कि भविष्य में अच्छे साफ्टवेयर इंजीनियरों की जरूरत जितनी बनी रहेगी, उतनी ही जरूरत उन इंजीनियरों की भी होगी जो सड़कें, पुल बनाएंगे, मशीनें डिजाइन करेंगे, बिजली प्रणालियां मजबूत करेंगे और दुनिया के लिए चिप तैयार करेंगे।

(अशोक त्रिपाठी)

राजनीति में जब कोई नीति ही नहीं रह गयी तब आपस में मतभेद उभरना स्वाभाविक है। हाल ही में दो मामले सामने आये जिनकी चर्चा राजनीतिक गलियारों में हो रही है। इनमें एक मामला केन्द्र और कई राज्यों में सरकार चला रही भाजपा से ही जुड़ा है। केन्द्र सरकार में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और उनके पति पराकला प्रभाकर एक-दूसरे के आमने-सामने आ गये हैं। भाजपा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर का बचाव कर रही है, जबकि पराकला प्रभाकर 23 अक्टूबर को एसआईआर के खिलाफही जंतर-मंतर पर सीजेपी के साथ धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा कर रहे हैं। इसी प्रकार दूसरा मामला मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को लेकर है। कांग्रेस के सबसे चर्चित नेता राहुल गांधी ऐसे मौके पर विदेश चले गये जब उनकी पार्टी के नेतृत्व में विपक्षी दल ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के खिलाफप्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर का मिजाज अलग ही रहता है। वह दिल्ली से बाहर थे, तभी पत्रकारों ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा के बारे में सवाल किया। शशि थरूर उखड़ गये और कहने लगे मैं कोई ट्रैवेल एजेंट नहीं हूं। उन्होंने राहुल गांधी का बचाव नहीं किया जबकि कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि राहुल गांधी एक ईमान हैं, विपक्ष के नेता हैं और विदेश में उन्हें सुनने के लिए लोग बुलाते हैं तो भाजपा को क्यों दिक्रत हो रही है।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) को लेकर भारी हंगामा मचा है। चुनाव आयोग की इस कवायद के खिलाफकई विपक्षी दलों ने लगातार प्रदर्शन किया है। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कांग्रेस सहित कई अन्य विपक्षी दल इसे कथित वोट चोरी बता रहे हैं। बीते दिनों दिल्ली-मुंबई सहित कई शहरों में कॉकरोच जनता पार्टी ने भी एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया है। इस बीच अब एसआईआर के खिलाफवित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति पराकला प्रभाकर भी आवाज बुलंद करते नजर आयेगे। पराकला प्रभाकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्टर साझा किया है। इस पोस्टर में वो फेमस एक्टर प्रकाश राज, वरिष्ठ वकील प्रताप भूषण, किसान नेता राकेश टिकैत, सीजेपी फंडेड अभिजीत दीपक, एआईएमएस की

अध्यक्ष नेहा बोरा के साथ नजर आ रहे हैं। एसआईआर के खिलाफ यह प्रदर्शन 23 अक्टूबर को होगा। पोस्टर के साथ शेर किए कैप्शन में पराकला प्रभाकर ने एक्स पोस्ट में लिखा- हर गली में जंतर-मंतर ! शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2026। लोकतंत्र की बहाली के लिए जन-



माचों। आइए, इस चुनौती का सामना करें। इस पोस्टर के जरिए देश के लोगों से अपील की गई है कि लोकतंत्र बचाने के लिए वो प्रदर्शन में शामिल हों। पोस्टर में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया अलायंस से भी अपील की गई है कि वो 23 अक्टूबर को होने वाले इस प्रदर्शन में शामिल हों। पोस्टर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटायें जाने की मांग की गई है। उनके साथ पोस्टर में महात्मा गांधी के परंपरि तुषार गांधी, अंजलि भारद्वाज सहित कई और चेहरे हैं, जो बीते दिनों सोशल-अलग जगहों पर एसआईआर के खिलाफप्रदर्शन करते नजर आए थे। खास बात पराकला प्रभाकर को लेकर है, क्योंकि उनकी पत्नी निर्मला सीतारमण केंद्र में वित्त मंत्री हैं। अब देखा है कि 23 अक्टूबर को बुलाए गए इस मार्च को कितना जनसमर्थन मिलता है। मालूम हो कि निर्मला सीतारमण के पति पराकला प्रभाकर एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं। वो पहले भी सरकार की कई नीतियों को आलोचना कर चुके हैं।

उधर, कांग्रेस सांसद शशि थरूर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

त्योहार पर सबका रखें ख्याल, लेकिन खुद को न करें नजरअंदाज !

त्योहारों का नाम आते ही मन में रंग-बिरंगी सजावट, पकवानों की खुशबू, पूजा की तैयारियां और अपनों के साथ बिताए खूबसूरत पलों की तस्वीर उभरने लगती है। लेकिन इन खुशियों के बीच ऑफिस की डेडलाइन, घर की जिम्मेदारियां, खरीदारी और मेहमानों की तैयारी कब तनाव का कारण बन जाती हैं, पता ही नहीं चलता। कई बार सबको खुश रखने की कोशिश में हम अपनी खुशी ही भूल जाते हैं। नेहा के साथ भी ऐसा ही हुआ।

पिछले साल त्योहारों की भागदौड़ ने उसे इतना थका दिया कि वह उनका आनंद नहीं ले पाई। इस बार उसने तय किया कि त्योहारों को बोझ नहीं, खुशियों का अवसर बनाएगी। इसके लिए उसने अपनी दिनचर्या में कुछ आसान बदलाव किए, जो त्योहारों की रैनक के बीच मन को सुकून देने में मदद कर सकते हैं।

प्राथमिकताएं तय करें, भागदौड़ कम करें

जब एक साथ कई काम सामने हों, तो सबसे पहले जरूरी और कम जरूरी कामों को अलग करें। दिन के कुछ प्रमुख काम पहले से तय कर लें और कोशिश करें कि एक समय में एक ही काम करें। अपनी योजना में थोड़ा अतिरिक्त समय भी रखें, ताकि अचानक आने वाली जिम्मेदारियां पूरे दिन का कार्यक्रम न बिगाड़ें। हर काम को तुरंत पूरा करने की कोशिश करने के बजाय जरूरी कामों को पहले करना तनाव



कम करने में मदद कर सकता है।

जिम्मेदारियां बाँटें, खुशियां बढ़ाएं

त्योहारों के दौरान खरीदारी, मेहमानों की तैयारी, फोन कॉल्स और घर के कामों की लगातार चिंता मानसिक थकान बढ़ाती है। और इससे बचने का तरीका भी प्राथमिकताएं तय करना है। साथ ही, हर काम खुद करना जरूरी नहीं है, बल्कि घर के सदस्यों के साथ जिम्मेदारियां बाँटें और बच्चों या परिवार के अन्य लोगों को उनकी क्षमता के अनुसार काम सौंपें। जिम्मेदारियां बांटना समय बचाने, तनाव घटाने और ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल करने का प्रभावी तरीका है।

ऑफिस का तनाव घर के दरवाजे पर छोड़ें

त्योहारों की लंबी सूची और काम की बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच लगातार तनाव महसूस होता है। इसलिए ऑफिस खत्म होने के बाद वहां के काम से मानसिक दूरी बनाने की

कोशिश करें। पर्याप्त नींद, समय पर पौष्टिक भोजन, पर्याप्त पानी पीना और हल्की एक्सरसाइज जैसी आदतें तनाव कम करने के साथ ऊर्जा और एकाग्रता बनाए रखने में मदद करती हैं।

परफेक्शन नहीं, अपनों के साथ पलों को गुंनें

त्योहारों पर हर तैयारी बिल्कुल परफेक्ट हो, इसका बोझ लेकर न लें। दूसरों की सजावट, खरीदारी या तैयारियों से अपनी तुलना बिल्कुल न करें। परिवार के साथ बैठकर सुकून भरे पल बिताएं, पसंदीदा काम करें या थोड़ी देर अकेले आराम करें। याद रखें, त्योहार अपनों के साथ समय बिताने और उन पलों का आनंद लेने का भी मौका है।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट गरिमा बताती हैं कि त्योहारों में ऑफिस की डेडलाइन, घर की तैयारियां और पारिवारिक जिम्मेदारियां तनाव बढ़ाती हैं। इसलिए कामों की प्राथमिकता तय करें और शेड्यूल में बफर टाइम रखें। हर काम परफेक्ट करने के बजाय अपनी अपेक्षाएं व्यवस्थित रखें। ऑफिस और घर के बीच ट्रॉजिशन टाइम रखें। पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन, व्यायाम और मेंडिटेशन को प्राथमिकता दें। जरूरत पर च्चन करें। सबसे जरूरी, अगर आपको लगातार चिड़चिड़ापन, बेचैनी, थकान या नींद में बदलाव हो, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लें।

कविता

हमर बेटी-हमर मान

बेटी हे धरती, बेटी जहान।
बेटी स्वाभिमान, बेटी सम्मान।
बेटी आह्ला, बेटी परान।
बेटी मन होथे, देवी समान।
हमर बेटी-हमर मान,
बेटी नित मया के खदान॥
बेटी ले बसथे, जग संसार।
बेटी म हावे जम्मो संस्कार।
बेटी हर देथे, मया दुलार।

बेटी सजाथे, मईके ससुरार।

बेटी बिना जग हे सुनशान।
हमर बेटी-हमर मान,
बेटी नित मया के खदान॥
बेटी, बेटा ले नई होथे कमा।
बेटी में पुरसारथ हे जम्मो,
लक्ष्मीबाई कस रखथे दम।
लियाग तपस्या के मुरत होथे,
बिपत ल सहित्थे हरदम।
बेटी जग म हावे महान।
हमर बेटी, हमर मान,

बेटी नित मया के खदान॥



आनंदराम सावां अनंत
कु.बो.भाठागांव

कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच, राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर एक सवाल पूछा गया, जिस पर उन्होंने तीखा जवाब देते हुए कहा कि वह कोई ट्रैवेल एजेंट नहीं हैं। केरल में पत्रकारों ने थरूर से पूछा था कि गांधी विदेश क्यों गए? शशि थरूर ने इस सवाल पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार करते हुए सिर्फ़ ही कहा, मैं कोई ट्रैवेल एजेंट नहीं हूं। मुझसे यह सवाल पूछने का कोई मतलब नहीं।

उन्होंने आगे कहा, मैं दिल्ली छोड़कर यहां क्यों आया हूं? हर व्यक्ति की अपनी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं, इसलिए, मैं इस पर कोई कमेंट नहीं कर सकता। बीजेपी ने दावा किया है कि विरोध-प्रदर्शनों के बीच राहुल गांधी चार दिन की वियतनाम यात्रा पर चले गए, जिसकी बीजेपी ने कड़ी आलोचना की है। बीजेपी पहले ही उनके विदेश दौरों पर सवाल उठाती रही है। राजनीतिक टकराव के दौरान इनका इस्तेमाल भी किया जाता रहा है। बीजेपी ने कहा, दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के बीच राहुल गांधी झूठ बोल-बोलकर थकने के बाद छुट्टी मनाने चले गए। बीजेपी ने एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर गांधी वियतनाम जाने वाली फ्लाइट में बैठे दिखाई दिए। इस पर पार्टी ने सवाल किया, राहुल गांधी के विदेश दौरों का एजेंडा क्या है? बीजेपी नेता संजित पात्रा ने राहुल गांधी पर सत्ता परिवर्तन का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि वे जॉर्ज सोरोस से क्लास लेने विदेश गए थे। पात्रा ने कहा, राहुल गांधी विदेश गए थे ताकि जॉर्ज सोरोस और उनकी कंपनी से यह सीख सकें कि भारत को कैसे बर्बाद किया जाए, सत्ता परिवर्तन कैसे लाया जाए, और उनसे कहां चूक हो गई। उन्होंने हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने उनका साथ नहीं दिया। अब उनका पूरा

ध्यान इस बात पर है कि आगे क्या करना है और इस एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाना है, ताकि भारत बर्बादी की कागार पर पहुंच जाए और यहां सत्ता परिवर्तन लाया जा सके। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पूछा कि क्या वे विदेश छुट्टियां मनाने गए हैं या फिर अपने अराजकता फैलाने वाले साथियों से मिलने गए हैं। इस पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि उनकी कुछ जिम्मेदारियां हैं। उन्होंने पूछा, क्या बाकी लोग इस दिन बाहर नहीं जाते? राहुल गांधी एक ईमान हैं, विश्व के नेता हैं और उनके कुछ कर्तव्य हैं। वे येल यूनिवर्सिटी में छात्रों से बातचीत करते हैं, लंदन में छात्रों से मिलते हैं और वहां के बुद्धिजीवियों से चर्चा करते हैं। वे प्रेस को इंटरव्यू भी देते हैं। बीजेपी को इससे क्या दिक्कत है?

बहरहाल, भाजपा और कांग्रेस की यह राजनीति लोगों का मनोरंजन तो कर ही रही है। (हिफ़ी)



सामयिक चर्चा

छत्तीसगढ़ का गौरव

आज खबर पढ़कर बानी बोले- “सुनिए गजाधर! केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री राजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा ध्यान दिया गया है

तो महासमुंद जिले में महानदी के तट पर स्थित छत्तीसगढ़ की प्राचीन सांस्कृतिक नगरी सिरपुर को यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है।

सिरपुर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्राचीन मंदिरों, बौद्ध विहारों, दुर्लभ मूर्तिकला के लिए प्रसिद्ध सिरपुर अब विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

गजाधर! इस पर आपका मन आपसे क्या कह रहा है? ” गजाधर गर्व से बोले- “बानी! छत्तीसगढ़ के गौरव सिरपुर को देखने का, मेरा मन भी कर रहा है।”

(गुरुवार 22 अक्टूबर 2026)



गिरिश बख्शी

भगवान गौतम मेहनत की कमाई चिंता करने की बूढ़ की सभा में एक खानदानी सेठ थोड़ी देर बाद पधारे और धर्म चर्चा में लीन हो गए। प्रवचन सुनने के पश्चात उन्होंने भगवान बुद्ध को अपने घर पर भोजन के लिए आमंत्रित किया। भगवान बुद्ध ने उनका आग्रह स्वीकार कर लिया तो उनके शिष्यों ने उन्हें बता दिया कि तथागत तब तक भोजन ही ग्रहण करते हैं। सेठ ने खुशी-खुशी उनकी यह बात मान ली। भगवान गौतम बुद्ध अन्य भिक्षुओं के साथ सेठ के घर आए। स्वागत-सत्कार के बाद भोजन परोसने से पहले अपनी आदत के अनुसार सेठ को अपनी अपार धन-सम्पत्ति का बखाना तो करना ही था। वह बोले, “प्रभु, हमारी यह हवेली और जमींदारी पौड़ी-दर-पौड़ी चली आ रही है। हमें कुछ करना ही नहीं पड़ता। पुरखों ने ही हमारे लिए सारा इंतजाम कर दिया है। उनका अच्छे कर्मां को तारीफ़ होनी।

भगवान गौतम बुद्ध ने भोजन परोसा गया। भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

भगवान बुद्ध ने भोजन सामने आते ही कहा, “वत्स, आपको बताया गया था कि हम केवल ताजा भोजन ग्रहण करते हैं। जिस दिन तुम्हारी मेहनत की कमाई से भोजन बनना, वह ताजा भोजन कहलाएगा। उस दिन मैं खुशी-खुशी आपका भोजन ग्रहण करूंगा।” इतना कहकर भगवान बुद्ध शिष्यों सहित बिना भोजन किए ही वहां से चले गए।

पटवारियों की हड़ताल से राजस्व विभाग का कामकाज पटरी से उतरा

अंबागढ़ चौकी (दावा)। नवीन जिला मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते राजस्व विभाग का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो गया है। जिले के पांचों तहसीलों मोहला, मानपुर, अंबागढ़ चौकी, खड़गांव और औंधी के पटवारी 12 अक्टूबर से हड़ताल पर हैं। प्रांतीय आह्वान पर छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के बैनर तले आंदोलन कर रहे पटवारी पीवी एप का विरोध करते हुए इसके स्थान पर भुइयां सॉफ्टवेयर में फसल एंटी का विकल्प उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। हड़ताल के कारण तहसील कार्यालयों में राजस्व संबंधी कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहीं, अपने जरूरी कार्यों के लिए कार्यालय पहुंच रहे ग्रामीणों को बिना काम कराए ही लौटना पड़ रहा है।

पीवी एप की तकनीकी समस्याओं से परेशान पटवारी

छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के आह्वान पर जिले के सभी पांचों तहसीलों के पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष लखनलाल सोरी एवं संघ के जिला मीडिया प्रभारी ठाकुरराम कोसमा ने बताया कि पीवी एप के माध्यम से

कार्य करने में पटवारियों को कई तरह की व्यावहारिक एवं तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया प्रभारी के अनुसार पीवी एप में फसल के भौतिक सत्यापन के दौरान किसान की अनुपस्थिति में संबंधित खेत का सत्यापन करना संभव नहीं हो पाता। इसके अलावा पॉलीगॉन बनाने में भी परेशानियां आ रही हैं। पटवारियों का कहना है कि एप के माध्यम से फसल सत्यापन की प्रक्रिया में कई खामियां हैं, जिनका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। वहीं, इन तकनीकी समस्याओं के कारण पटवारियों को भी किसानों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है।

तहसील कार्यालयों के सामने धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी

नवीन जिले के सभी 89 हल्कों के पटवारी पीवी एप के विरोध में हड़ताल पर हैं। आंदोलनरत पटवारी अपनी मांगों को लेकर संबंधित तहसील कार्यालयों के सामने धरना-प्रदर्शन कर शासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। अंबागढ़ चौकी तहसील के पटवारी 12 अक्टूबर से प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक राजस्व कार्यालय के सामने पंडाल लगाकर धरना दे रहे हैं। आंदोलन के 13वें दिन भी पटवारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में



0 13 दिन से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं जिले की पांचों तहसीलों के पटवारी, किसान और आमजन परेशान 0 तहसील कार्यालयों में पसरा सत्राटा, राजस्व से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित

प्रदर्शन जारी रखा। धरने में प्रमुख रूप से जिला संघ अध्यक्ष लखनलाल सोरी, ठाकुरराम कोसमा, चतुर नंदेश्वर, लिब्बन एक्का, धर्मेन्द्र पोसाय, तौहिद अहमद, कुसुदीप ठाकुर, धीरपाल ठाकुर, सुरेश ठाकुर, चंद्रसेन

चौहान, विद्या बोखर, तुमेश्वरी रावटे, भुनेश्वर कोसमा, दीपक कोसमा, खेमचंद कोमरे, सोहन देवांगन, प्रवेश देवांगन, रविकांत बघेल और उमेश वर्मा सहित अन्य पटवारी शामिल रहे।

पटवारियों की हड़ताल से कई कार्य प्रभावित

पटवारियों की हड़ताल का असर राजस्व विभाग से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों पर पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक प्रभाव किसानों और आम ग्रामीणों पर दिखाई दे रहा है। हड़ताल के चलते नामांतरण, बंटवारा, गिरदावरी, धान पंजीयन, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, नक्शा-खसरा, बी-1 और ऋण पुस्तिका से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके अलावा राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जनगणना, एसआईआर की तैयारी, फसल बीमा तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत आर्थिक सहायता से जुड़े कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।जरूरी राजस्व कार्यों के लिए तहसील कार्यालय पहुंचने वाले ग्रामीणों को हड़ताल के कारण निराश होकर लौटना पड़ रहा है। ऐसे में आम लोगों को अपने जरूरी काम पूरे कराने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने दिया समर्थन

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को विभिन्न राजनीतिक एवं कर्मचारी संगठनों का समर्थन मिल रहा है। आंदोलन के 13वें दिन नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी पटवारियों के धरना स्थल पर पहुंचे और उनकी मांगों का समर्थन किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पटवारियों की मांगें उनके हितों और अधिकारों से जुड़ी हुई हैं। पटवारी संघ किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है। उन्होंने कहा कि पीवी एप के माध्यम से कार्य करने में कई व्यावहारिक एवं तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं। शासन को पटवारियों की समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उनकी मांगों का निराकरण करना चाहिए। वहीं, छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने भी पटवारियों के आंदोलन को समर्थन दिया। संघ के पदाधिकारियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन में सहभागिता की। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रमेश नंदेश्वर एवं राजकुमार महानदिया ने पटवारियों की मांगों को उचित बताते हुए उनके आंदोलन का समर्थन किया।

राजनांदगांव-कवर्धा-पोड़ी मार्ग का 65 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण, 90.48 करोड़ से हो रहा चौड़ीकरण व मजबूतीकरण

खैरागढ़ (दावा)। बेहतर सड़कें गांवों और शहरों को जोड़ने के साथ लोगों के दैनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने का आधार है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और कृषि से जुड़ी गतिविधियों के लिए सुगम आवागमन का विशेष महत्व है। इसी दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा राजनांदगांव-कवर्धा-पोड़ी मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य किया जा रहा है। सीआरएफ के अंतर्गत स्वीकृत इस परियोजना की विभागीय प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। निर्माण पूरा होने पर क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद है। लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य राजमार्ग क्रमांक 5 पर 30.40 किलोमीटर लंबे मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 90 करोड़ 48 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना में लोक निर्माण विभाग के खैरागढ़ संभाग के अंतर्गत किलोमीटर 28 से 38/4 तक का 10.40 किलोमीटर हिस्सा भी शामिल है। यह मार्ग क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सड़क का चौड़ीकरण होने से वाहनों की आवाजाही अधिक सुविधाजनक होगी। वहीं मजबूतीकरण से सड़क की भार वहन क्षमता और टिकाऊपन बेहतर होने की उम्मीद है। इससे दैनिक



यात्रियों के साथ कृषि उपज एवं अन्य सामान का परिवहन करने वालों को भी सुविधा मिलेगी।

15 पुलिसियों का निर्माण पूर्ण, सड़क के साथ जल निकासी की व्यवस्था

परियोजना में सड़क निर्माण के साथ जल निकासी से जुड़े कार्य भी किए जा रहे हैं। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 15 पुलिसियों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही एक किलोमीटर सीमेंट कंक्रीट सड़क, 2,900 मीटर नाली तथा 890 मीटर ड्रिनाइजर का

निर्माण किया गया है। नालियों और पुलिसियों के निर्माण से वर्षा के पानी की निकासी सुगम बनाने तथा सड़क पर जलभराव कम करने में मदद मिलेगी। बेहतर जल निकासी सड़क को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस प्रकार परियोजना में आवागमन की सुविधा के साथ सड़क के स्थायित्व से जुड़े कार्यों को भी शामिल किया गया है।

मई 2027 तक कार्य पूरा होने की संभावना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच होगी आसान

परियोजना की वित्तीय प्रगति 4,236.68 लाख रुपये दर्ज की गई है। लोक निर्माण विभाग के राजनांदगांव संभाग द्वारा संपादित किए जा रहे इस कार्य के मई 2027 तक पूर्ण होने की संभावना बताई गई है। मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण पूरा होने पर क्षेत्रवासियों को बाजार, शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। किसानों के लिए अपनी उपज बाजार तक पहुंचाना तथा व्यापारियों के लिए सामान का परिवहन अधिक सुगम होने की उम्मीद है। बेहतर सड़क संपर्क स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी सहयोग देगा। परियोजना की वर्तमान प्रगति क्षेत्र को सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मानवता की मिसाल बने डायल-112 के तीन चालक, एसएसपी वाय.पी. सिंह ने किया सम्मानित



मोहला (दावा)। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस की मासिक अपराध समीक्षा बैठक में आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता पहुंचाकर नागरिकों की जान बचाने वाले डायल-112 के तीन वाहन चालकों सहित साइबर जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वाय.पी. सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय मोहला में आयोजित बैठक के दौरान सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

डायल-112 के चालकों ने दिखाई तत्परता, बचाई जिंदगियां

समीक्षा बैठक में संकट के समय संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए घायलों को त्वरित राहत पहुंचाने वाले डायल-112 के तीन वाहन चालकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

जिसमें युगांधर पटेल (मोहला मैना-1) ने ग्राम कंगालटोला में कुल्हाड़ी के हमले से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। कुशपाल मंडावी (मानपुर मैना-1) ने ग्राम फड़की में कीटनाशक/जहर सेवन करने वाले व्यक्ति को समय रहते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर उसकी जान बचाई। मिथलेश मंडावी (अंबागढ़ चौकी मैना-1) ने ग्राम केसरीटोला के पास सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवार को अचलब अस्पताल पहुंचाया। एसएसपी वाय.पी. सिंह ने कहा कि डायल-112 केवल आपातकालीन पुलिस सहायता तक सीमित

नहीं है, बल्कि यह संकट के क्षणों में जीवनरक्षक की भूमिका भी निभा रही है। वाहन चालकों द्वारा दिखाई गई संवेदनशीलता समूचे पुलिस बल के लिए प्रेरणादायी है।

साइबर जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रभारी सम्मानित

पुलिस मुख्यालय के निदेशानुसार जिलेभर में चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग फ्राड और सोशल मीडिया अपराधों से सतर्क करने में प्रभावी भूमिका निभाने वाले जिले के सभी थाना प्रभारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। एसएसपी ने रेखांकित किया कि साइबर अपराध वर्तमान समय की बड़ी चुनौती हैं। जिनसे निपटने के लिए निरंतर जनजागरूकता ही सबसे सशक्त माध्यम है। बैठक में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सभी थानों के प्रभारी और प्रशिक्षु उपनिरीक्षक उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय कुराश प्रतियोगिता : दटेंगा की खेललता ने 73 किग्रा वर्ग में जीता कांस्य पदक, बढ़ाया क्षेत्र का मान

हरदी (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दटेंगा की कक्षा 9वीं की छात्रा खेललता ने राज्य स्तरीय खेल पटल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। बलौदा बाजार में आयोजित राज्य स्तरीय कुराश प्रतियोगिता के 73 किलोग्राम भार वर्ग में खेललता ने यह उपलब्धि हासिल कर विद्यालय और समूचे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

कड़े मुकाबलों के बीच

मनवाया प्रतिभा का लोहा

प्रतियोगिता में प्रदेश भर के विभिन्न जिलों से आए शीर्ष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। खेललता ने चुनौतीपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन तकनीक, फुर्ती और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।



बलौदा बाजार में आयोजित स्पर्धा में दिखाया उत्कृष्ट खेल कौशल, स्कूल प्रबंधन व शिक्षकों ने दी बधाई

मेहनत और लगन का सुखद परिणाम : प्राचार्य

छात्रा की सफलता पर विद्यालय परिसर में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था प्रमुख टी.एल. देवांगन ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खेललता के कड़े अभ्यास और अनुशासन का परिणाम है। विद्यालय की पीटीआई रीना बोरकर ने कहा कि खेललता का यह प्रदर्शन अन्य छात्र-छात्राओं को खेलों में आगे आने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का संचालन अजाय पाठक ने किया।

इस दौरान वरिष्ठ व्याख्याता चंद्रमणि वासनिक, चंद्रा देवनाथ, रेशमी साहू, हेमशीवा एंथोनी, पवन सिन्हा, हर्षा देवांगन, भगवत साहू, वेद प्रकाश साहू, महेश रावटे, रवि देवांगन, नौलमा रजक सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

खैरागढ़ (दावा)। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में राजस्व कार्यों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनसमस्याओं के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने तहसीलदारों को शत-प्रतिशत गिरदावरी पूर्ण करने तथा पीवी एप के माध्यम से पॉलीगन बनाने का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गिरदावरी एवं पॉलीगन निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने तहसीलदारों को शेष कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वामित्व योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेख संबंधी कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में न बरतें लापरवाही, नागरिकों को समयबद्ध राहत पहुंचाने के निर्देश

कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन और आमजन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत को बेहतर सेवा और वास्तविक राहत में बदलना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों के प्रति संवेदनशील और जाबजबादे रहते हुए परिणाममूलक कार्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिकायतों में उल्लेखित समस्याओं को ध्यानपूर्वक समझकर नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों को समयबद्ध समाधान मिल सके। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के संबंध में कलेक्टर



ने विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत पर की गई कार्रवाई तथा निराकरण की स्थिति का विवरण स्पष्ट, सही एवं तथ्यपरक होना चाहिए। संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत पर की गई कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं और निराकरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। बैठक में नियद नेहन्नार अंतर्गत शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित पात्र हितग्राहियों की जानकारी दर्ज करने के कार्य की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के तहत प्रदान किए गए लाभ का विवरण संकलित कर हितग्राहियों

की एंटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से दर्ज करने पर जोर दिया। जिससे योजनाओं की प्रगति और उपलब्धियों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। कलेक्टर ने चावल जमा करने की प्रगति एवं संग्रहण केंद्रों की स्थिति की भी जानकारी ली। संबंधित विभागों से चावल जमा एवं संग्रहण से जुड़े कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त कर प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को जल्दित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने, शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा विभागीय दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना होना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेमकुमार पटेल, अपर कलेक्टर सुंदर कुमार ठाकुर, एसडीएम अविनाश ठाकुर सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

लालबाग पुलिस ने निगरानी और गुंडा बदमाशों को थाना तलब कर दी सख्त हिदायत



राजनांदगांव (दावा)। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लालबाग पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं आदतन अपराधियों पर कनेल कसने की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में नगर पुलिस अधीक्षक सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में थाना लालबाग क्षेत्र के निगरानी और गुंडा बदमाशों को थाने तलब किया गया। शुक्रवार को थाना प्रभारी द्वारा थाना क्षेत्र के चर्चित निगरानी और गुंडा बदमाशों की परेड कराई गई। इस दौरान सभी को सख्त हिदायत दी गई कि वे किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त न हों और क्षेत्र में लोक शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी निगरानी बदमाश पुनः किसी गैरकानूनी अथवा सदिग्ध गतिविधि में लिप्त पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी प्रतिबध्तात्मक व वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अगामी त्योहारों और शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस प्रशासन लगातार असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

छुरिया में राजमिस्त्री संघ की विशाल पदयात्रा से गूंजा श्रमिकों के हक का मुद्दा, सात सूत्रीय मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित

छुरिया (दावा)। श्रमिकों के अधिकार, सम्मान और कल्याण की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश ठेकेदार राजमिस्त्री मजदूर कल्याण संघ एवं राजमिस्त्री संघ की ओर से शुक्रवार को राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड में विशाल शांतिपूर्ण पदयात्रा निकाली गई। जनपद पंचायत से बाजार चौक तक निकली इस पदयात्रा में प्रदेशभर के पदाधिकारियों और श्रमिक प्रतिनिधियों की नगरीय विवादों के निराकरण के लिए अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। पदयात्रा के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने भवन निर्माण क्षेत्र में कार्यरत ठेकेदारों, राजमिस्त्रियों और मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। संगठन का कहना है कि प्रदेश के विकास में निर्माण श्रमिकों की अहम भूमिका है, लेकिन अनेक श्रमिक आज भी आर्थिक अस्तुक्ष्ण, मजदूरी

विवाद और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को श्रमिकों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर दोस निर्णय लेना चाहिए।

सात सूत्रीय मांगों से सरकार का ध्यान खींचा

संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सीपे ज्ञापन में सात प्रमुख मांगें रखीं। इनमें पूर्व में जारी श्रमिक कार्डों का पुनः सत्यापन, नए श्रमिक पंजीयन से पहले वास्तविक कार्यस्थल की निरीक्षण, ठेकेदारों और श्रमिकों के बीच मजदूरी विवादों के निराकरण के लिए वैधानिक व्यवस्था तथा पंजीकृत श्रमिक संगठनों को 50 लाख रुपये तक के सरकारी निर्माण कार्य आवंटित करने की मांग शामिल है। इसके साथ ही शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के अंतर्गत संचालित दाल-भात केंद्रों का संचालन पंजीकृत श्रमिक संघों को सौंपने, श्रमायुक्त की अध्यक्षता में वर्ष में कम से कम एक बार श्रमिक संगठनों के



जनपद पंचायत से बाजार चौक तक निकली पदयात्रा, श्रमिक कार्डों के सत्यापन से लेकर हर जिले में श्रमिक सदन बनाने तक की मांग

पदाधिकारियों की बैठक आयोजित करने और प्रदेश के प्रत्येक जिले में श्रमिक सदन बनाने की मांग भी उठाई गई।

संघ का कहना है कि इन मांगों पर अमल होने से श्रमिकों की समस्याओं को सुनने, उनके विवादों का समाधान करने और

सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है। छुरिया में आयोजित इस पदयात्रा में संघ के प्रदेश संरक्षक सागर मोंगेरे, प्रदेश अध्यक्ष अशोक पटेल, प्रदेश महामंत्री तिलक देवांगन, प्रदेश कोषाध्यक्ष मृणुंजय भागत, प्रदेश उपाध्यक्ष ड्रय जमुना प्रसाद राजवाड़े एवं ईश्वर साहू प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा प्रदेश मंत्री कपिल नाथ योगी, तिलक यादव, हरीराम सिन्हा, प्रदेश संगठन मंत्री बलेश्वर पटेल एवं नरेंद्र प्रजापति, छुरिया इकाई अध्यक्ष योगीराम पटेल तथा मीडिया प्रभारी रूपलाल वर्मा ने भी पदयात्रा में सहभागिता निभाई। प्रदेशभर से पदाधिकारियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को संगठनात्मक एकजुटता का संदेश देने वाला कार्यक्रम बना दिया। जनपद पंचायत से बाजार चौक तक निकली पदयात्रा के माध्यम से संघ ने स्पष्ट किया कि निर्माण श्रमिकों की समस्याओं को लेकर संगठन अग्रणी की भूमिका है और उनकी मांगों को शासन के सामने लगातार उठाता रहेगा।

संघ ने ज्ञापन की प्रतिलिपि केन्द्रीय श्रम मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन के श्रम मंत्री, श्रमायुक्त तथा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सत्रिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष को भी भेजने की बात कही है। संगठन की मांग है कि श्रमिक कल्याण संघों की मांगों को निर्यामित समझा हो और पंजीयन से लेकर मजदूरी विवादों के निपटारे तक पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए। पदयात्रा के जरिए संघ ने सरकार के सामने यह सवाल भी रखा कि प्रदेश के निर्माण कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रमिकों को उनका अधिकार, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कब दोस कदम उठाए जाएंगे। अब सबकी निगाहें राज्य सरकार के निर्णय पर टिकी हैं। छुरिया से उठी श्रमिकों के हक की यह आवाज सात सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई की उम्मीद के साथ राजधानी तक पहुंचाने का प्रयास है। संगठन को भरोसा है कि सरकार श्रमिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए सकारात्मक पहल करेगी।

पहला कॉलम...

इंडिगो ने बढ़ाई अवधि, रियाद की फ्लाइंट 31 अक्तूबर तक बंद

अबू धाबी । सऊदी अरब में सुरक्षा चिंताओं के कारण इंडिगो ने अपनी उड़ानों का रद्द रहना आगे बढ़ा दिया है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को बताया कि रियाद आने-जाने वाली इंडिगो की उड़ानें 31 अक्तूबर 2026 तक रद्द रहेंगी। वहीं, जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए उड़ानों पर 27 अक्तूबर तक रोक रहेगी। क्षेत्र में झेन और मिसाइल हमलों के बीच यह फैसला लिया गया है। इन घटनाओं का असर सऊदी अरब में रहने वाले भारतीयों, उमरा करने गए यात्रियों और हवाई यात्रा की योजना बना रहे लोगों पर पड़ रहा है।

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उड़ानों की स्थिति की जानकारी दी। उसके अनुसार, इंडिगो की उड़ानों पर रोक की अवधि शहर के हिसाब से अलग-अलग है। इन तारीखों में संबंधित दिन भी शामिल हैं। यात्रियों को अपनी उड़ान की स्थिति एयरलाइन से जांचने के बाद ही हवाई अड्डे के लिए निकलना चाहिए।

सौरव गांगुली को हाई कोर्ट से लगा झटका, फिल्म पर रोक लगाने की लगाई थी गुहार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली इस समय चर्चा में हैं। हालांकि, इस बार मामला क्रिकेट से जुड़ा नहीं है। दरअसल, सौरव गांगुली को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। हाई कोर्ट ने दावा की उस अजी को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दूसरा फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। यह फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। न्यायमूर्ति दिनेश भट्ट की अवकाशकालीन पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि च्युविधा का संतुलनज्ज चूसराज के निर्माताओं के पक्ष में है। बता दें कि सुविधा का संतुलन एक कानूनी परीक्षण है, जिसका इस्तेमाल अदालतें प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी करने का फैसला लेते समय करती हैं। इसमें इस बात का आकलन किया जाता है कि निषेधाज्ञा जारी नहीं किए जाने पर वादी को और जारी किए जाने पर प्रतिवादी को संभावित रूप से कितना नुकसान हो सकता है।

न्यायमूर्ति भट्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, फिल्म कल (शुक्रवार) रिलीज होने वाली है। प्रथम दृष्टया सुविधा का संतुलन आपके पक्ष में नहीं है। हो सकता है कि आपके पास कोई महत्वपूर्ण अधिकार हो, लेकिन हम आज फिल्म के प्रदर्शन पर रोक नहीं लगा रहे हैं। पीठ ने मामले पर अगली सुनवाई शुक्रवार के लिए निर्धारित की है। गांगुली के अलावा उनके जीवन पर आधारित बायोपिक का निर्माण कर रही चल्च फिल्म पल्लवपीजू भी इस मुकदमे में वादी है। फिल्म चूसराज के निर्माताओं की ओर से पेरा वरिष्ठ अधिवक्ता ने भरोसा दिलाया कि चूसराज कोई बायोपिक नहीं है। उन्होंने कहा कि वादी से जुड़ी कुछ वीडियो क्लिप के इस्तेमाल के लिए जरूरी अनुमतिवाई हासिल कर ली गई थीं।

स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने गेल से तलाक लेकर अलग हुई

नई दिल्ली। एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स ने पांच साल की शादी के बाद अलग होने का फैसला किया है। एलिना ने यूक्रेन युद्ध के मानसिक तनाव और खुद को दोबारा खोजने की जरूरत को अपने फैसले से जोड़ा। टेनिस की दुनिया के मशहूर कपल एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स की प्रेम कहानी अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। 5 साल की शादी के बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। यूक्रेन की स्टार खिलाड़ी एलिना ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर कर बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने उनकी मानसिक सेहत पर गहरा असर डाला। उन्होंने कहा कि मुश्किल वक्त में पति ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन अब उन्हें खुद को दोबारा समझने और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए शादी से अलग होने की जरूरत महसूस हुई। एलिना ने बताया कि युद्ध के वजह से उन्हें कई मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। कई रातें ऐसी थीं, जब उन्हें नींद नहीं आती थी। वो मन में उठने वाले सवालों और खुद को खोने के अहसास से जूझ रही थीं। पिछले साल भी मानसिक रूप से ठीक महसूस नहीं करने के वजह से उन्हें टेनिस से ब्रेक लेना पड़ा था। एलिना ने अपनी पोस्ट में बताया कि गेल ने मुश्किल समय में उनका हाथ नहीं छोड़ा। दोनों ने लंबे समय तक मिलकर हालात का सामना किया। लेकिन, समय के साथ एलिना को एहसास हुआ कि खुद को फिर से खोजने के लिए उन्हें शादी से अलग होना होगा। उन्होंने गेल के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि इस रिश्ते के खत्म होने के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

पीएम मोदी ने किया 'चिन्मय अमृत महोत्सव....

लाने का मौका था, जो अपने प्राचीन विचारों और अनुभवों के माध्यम से पूरी मानवता के कल्याण की बात करती है। उन्होंने भारतीय राजा परंपरा और आने वाली पीढ़ियों के लिए उसके महत्व पर भी जोर दिया। उनके मुताबिक, भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत देश को भविष्य की दिशा तय करने में प्रेरणा दे सकती है। 0 चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे होने पर वैश्विक सम्मेलन: चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन 23 से 25 अक्टूबर 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। यह चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में साल भर चले आयोजनों का समापन है। सम्मेलन में भारत और विदेशों से 9,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। चिन्मय मिशन की स्थापना स्वामी चिन्मयानंद ने वर्ष 1951 में की थी। इसका उद्देश्य वेदांत और भावद गीता के ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। समय के साथ मिशन ने आध्यात्मिक शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्रों में भी काम किया है।

भागवत बोले- सच केवल हिंदुओं का...

जबलपुर के लिए रवाना हुए। बौद्धिक वर्ग कार्यक्रम में डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि 1925 में आरएसएस की स्थापना के बाद शुरुआत में संघ की उद्देश्य हुई। फिर विरोध हुआ और अंग-जय-जयकार हो रही है। अब माहौल आरएसएस के पक्ष में है, इसलिए स्वयंसेवकों को और सतर्क होकर काम करना है। पिछले एक साल में शताब्दी वर्ष के तहत जो काम किए गए हैं, उन्हें आगे भी जारी रखना है। हर स्वयंसेवक को लक्ष्य दिया कि पहले किसी अनजान व्यक्ति को परिचित बनाएं। फिर उससे दोस्ती करें और दोस्त बनने के बाद उसे स्वयंसेवक बनाएं। मोहन भागवत ने कहा कि हाइड्रोजन के दो और ऑक्सीजन के एक परमाणु से पानी बनता है। उसी तरह स्वयंसेवकों से संघ बनता है। स्वयंसेवकों के बिना संघ की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा कि हर स्वयंसेवक को डॉ. हेडगेवार के जीवन और विचारों को समझना चाहिए।

56 साल बाद दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट मैच में पारी से हारा ऑस्ट्रेलिया, तेम्बा बावुमा की टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। डरबन टेस्ट में मिली हार के बाद दक्षिण अफ्रीका ने गंकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से करारी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीकी धरती पर 56 वर्षों बाद कांगारूओं को पारी से हार झेलनी पड़ी है। कप्तान तेम्बा बावुमा की ऐतिहासिक 179 रनों की पारी और निचले क्रम के 315 रनों के योगदान की बदौलत मेजबान टीम ने 425 रन बनाए, जबकि पहली पारी में 99 रन पर ढेर होकर ऑस्ट्रेलिया को फॉलो-ऑन झेलना पड़ा।

साउथ अफ्रीका दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम की हालत खराब है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच भले ही कांगारूओं ने जीत लिया हो, लेकिन साउथ अफ्रीका ने दूसरे ही मैच में पलटवार किया और ऑस्ट्रेलिया को पारी की हार थमा दी। ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम टेस्ट मैच पारी और रनों से हार जाए, लेकिन साउथ अफ्रीका ने इसे मुमकिन कर दिखाया है। इस बीच ट्रेविस हेड का भी घमंड चूर चूर हो गया है। उन्होंने



अपनी टीम के लिए सेंचुरी लगाई, लेकिन फिर भी हार गई। टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम ने 425 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में केवल 99 रन बनाकर ही सिमट गई। इसके बाद उसे फॉलोऑन का सामना करना पड़ा। दूसरी पारी में टीम 295 ही बना सकी। इससे उसे पारी और 31 रनों से हार मिली है। इस मैच की दूसरी पारी में

सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 121 रनों की अच्छी पारी खेली, लेकिन वो टीम के लिए नाकाफी साबित हुई। ऐसा पहली बार हुआ है, जब ट्रेविस हेड ने सेंचुरी मारी हो और टीम को हार मिली हो। ज्यादातर मैच तो कांगारू टीम ने जीते हैं, वहीं कुछ ड्रा भी रहे हैं, लेकिन हार पहली दफा झेलनी पड़ी है। यानी अब हेड का शतक ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत की गारंटी नहीं रह गया है। इसी सीरीज का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया

परविंदर अवाना हुए जूनियर चयन समिति के प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को शुक्रवार को बीसीसीआई की नई जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अवाना ने भारत के लिए दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 191 विकेट लिए हैं। उन्होंने दिल्ली, इंडिया ए और शेप भारत का प्रतिनिधित्व करने के अलावा आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए भी खेला।

क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, उन्होंने कोचिंग का रुख

किया और दिल्ली की अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 टीमों के साथ-साथ भारत की अंडर-19 और वि बी सी आई/बीसीसीआई/सीआई हाई-किंग्स का साथ काम किया। इस नई समिति के अन्य सदस्यों में कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन. अर्जुन यादव शामिल हैं।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने जूनियर क्रिकेट समिति के सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक चयन प्रक्रिया का



न्यूजीलैंड सीरीज के बीच भारतीय खिलाड़ी का बड़ा फैसला, 30 साल की उम्र में लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय न्यूजीलैंड दौरे पर है और टी20 सीरीज में हिस्सा ले रही है। इस बीच एक भारतीय खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। यह खिलाड़ी हैं महिला क्रिकेटर एस. मेघना। मेघना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने फैसले के बारे में बताया।

मेघना ने भारत के लिए तीन वनडे और 17 टी20 मैच खेले हैं। वनडे में उन्होंने 114 रन तो वहीं टी20 में 258 रन बनाए हैं। आंध्र प्रदेश की इस खिलाड़ी ने अपने शानदार सफर के लिए परिवार, दोस्तों, बीसीसीआई, साथी खिलाड़ियों को शुक्रिया कहा है। वह अब डब्ल्यूपीएल में भी खेलती हुई नजर नहीं आएंगीं।

मेघना ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैदान पर पहली बार बल्ला पकड़ते हुए वैश्विक मंच पर भारत की जर्सी पहनते हुए उतरना किसी सपने से कम नहीं था। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी

प्राारूणों से संन्यास का एलान करती हूं। मेरा न्यूजीलैंड दौरे पर अच्छे और बुरे समय में मेरे साथ खड़ा रहा उनको धन्यवाद। मेरे कोचेस, टीम की साथी, स्पोर्ट्स स्टाफ, मुझे मेरा बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने के लिए शुक्रिया। उन

फेंस को भी शुक्रिया जिन्होंने हर एक दिन मेरा हौसला बढ़ाया। उन्होंने आगे लिखा, «मैं बीसीसीआई, आंध्र क्रिकेट संघ, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात जायंट्स, आरएसपीबी का स्पोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करती हूं। मुझे मौका और मंच देने के लिए शुक्रिया।

मेघना 30 साल की हैं और भारत के अलावा डब्ल्यूपीएल में कुल 15 मैचों में हिस्सा ले चुकी थीं। इन मैचों में उन्होंने कुल 302 रन बनाए थे। हालांकि, अब वह कुछ नया करने के बारे में सोच सकती हैं। संन्यास लेने के बाद कई खिलाड़ियों को कमेंट्री और कोचिंग में जाते हुए देखा गया है। बहुत संभावना है कि मेघना भी यही करती हुई नजर आएंगीं।



प्रथम पृष्ठ का शेष....

संवैधानिक प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके लिए छोटे-छोटे रीलस भी तैयार किये जा रहे हैं। तमाम कार्यक्रमों में बांटने के लिए पुस्तिका भी तैयार की गई है, जिसमें एसआईआर, मतदाता सूची के शुद्धिकरण की जानकारी और जनकल्याण के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

अरुणाचल सीमा पर बढ़ा तनाव: कई जगहों पर...

के प्रशिक्षण पर जोर दे रही है। बल अपने स्तर पर ड्रोन निगरानी की क्षमता भी बढ़ा रहा है। इसके साथ ही एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित करने और इस्तेमाल करने की तैयारी है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में संभावित खतरों का मुकाबला किया जा सके। ITBP की आधुनिकीकरण योजना में ड्रोन और एंटी-ड्रोन प्रणालियों के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये निर्धारित करने की बात कही गई है। इसके अलावा, बल के वाहनों, उपकरणों और गोला-बारूद को आधुनिक बनाने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। योजना में दुर्गम इलाकों में आवाजाही के लिए विशेष वाहन, स्वचालित जमीनी वाहन और क्लिक रिफ्लेक्शन व्हीकल शामिल हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में भूमिगत सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सेक्टर में 6 सितंबर 2026 को कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई थी। यह बैठक वाचा-दमाई बॉर्डर पर्सनल मीटिंग पॉइंट पर आयोजित की गई थी। इससे पहले सीमा से जुड़े ऐसे संवाद मुख्य रूप से पूर्वी लद्दाख के चुशुल-मोल्डो बैठक स्थल पर होते रहे हैं। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर अलग-अलग धारणाएं होने के कारण कई क्षेत्रों में गश्त के दौरान आपन-सामने की स्थिति बनती रही है। ITBP प्रमुख का ताजा बयान संकेत देता है कि बातचीत के बावजूद अरुणाचल प्रदेश के कुछ सीमावर्ती इलाकों में स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है।

सीवान में पटाखा फैक्ट्री में भीषण....

अनुसार, मोहम्मद अमीरुद्दीन मियां के घर-सह-पटाखा इकाई में यह घटना हुई। उन्हें स्थानीय स्तर पर पटाखा व्यापारी बताया जा रहा है। बताया गया है कि आग लगने के समय घर के अंदर कई लोग मौजूद थे। आग वहां रखे दूसरे पटाखों तक फैल गई, जिससे बार-बार विस्फोट होने लगे। धमाकों में कुछ शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की आशंका जताई गई है। इससे मृतकों की पहचान करने में मुश्किल हो सकती है। घटना के कारणों, मृतकों की आधिकारिक पहचान और प्रशासन की कार्यवाही से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार है। फिलहाल 4 मौतों की पुष्टि हुई है। अन्य लोगों की स्थिति और हादसे में हताहतों की अंतिम संख्या को लेकर प्रशासन की पुष्टि का इंतजार है।

राहुल गांधी कांग्रेस के फेल प्रोडक्ट, राहुल....

कोई खास उपलब्धि नहीं देखी। यह उनकी पहली विफलता थी। इसके बाद, अपने परिवार की परंपरा का पालन करते हुए, वह उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड चले गए। 1996 से 1999 के बीच उन्होंने मॉनिर नाम की एक ब्रिटिश कंपनी के लिए काम किया, जो बाद में बंद हो गई। इसके बाद वह बैकऑफ्स नाम की दूसरी ब्रिटिश कंपनी में पार्टनर बने और 2003 से 2009 तक उसके डायरेक्टर रहे, बाद में वह कंपनी भी बंद हो गई। यहां सिर्फ प्रोडक्ट ही फेल नहीं हो रहा, बल्कि उससे जुड़ी कंपनियां भी फेल हो रही हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 2014 में कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी को अपना अघोषित नेता बना दिया और लोकसभा में पार्टी अपनी अब तक की सबसे निचली संख्या पर आ गई। बचपन में हम सपना देखते थे कि एक दिन भाजपा अपने दम पर सत्त बहमत हासिल करेगी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वह सपना सच हो गया। हम यह भी सोचते थे कि क्या कांग्रेस कभी 100 सीटों से नीचे जा सकती है। 2014 में यह 50 सीटों से भी नीचे आ गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर दशहरा की अनुत्ती...

सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती हैं। ऐसी परंपराएं भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई प्रतिष्ठा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि

ने 214 रन से जीतकर लीड बनाई थी और उम्मीद की जा रही कि यही सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। पिछले मैच की खास बात ये भी रही कि साउथ अफ्रीकी टीम टेम्बा बावुमा की कप्तानी में पहली बार टेस्ट मैच हारी है। इससे पहले जब भी टेम्बा कप्तान रहे हैं, टीम जीती है या?फिर मैच बराबरी पर समाप्त हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट किमिंग्स ने इस सिलसिले को तोड़ दिया था, लेकिन दूसरे ही मैच में टेम्बा ने बदला लेते तो ऑस्ट्रेलिया को उससे भी करारी हार थमा दी है। इस मैच के बाद भी हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले नंबर पर है और साउथ अफ्रीका की टीम तीसरे नंबर पर ही है, लेकिन अब उनके बीच अंतर कम रह गया है। ऑस्ट्रेलिया का पीसीटी 75 का है और साउथ अफ्रीका का मौजूदा पीसीटी 66.67 का हो गया है। इस बीच न्यूजीलैंड की टीम 72.22 के पीसीटी के साथ दूसरे नंबर पर है। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 27 अक्टूबर से केपटाउन में खेला जाएगा।

आज भारत ए बनाम न्यूजीलैंड ए पहला टेस्ट यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पर रहेगी नजरें



बाद वनडे सीरीज होगी और सबसे आखिर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसके लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए की टीमें आमने सामने होने जा रही हैं। भारतीय टीम के प्लेयर्स के पास मौका होगा कि वे अभी से आने

वाली बड़ी परीक्षा के लिए तैयार रहें। खास बात ये है कि इस अनाधिकारिक सीरीज के दौरान केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी खेल रहे हैं। माना जा रहा है कि यही दो खिलाड़ी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी भारत के लिए पारी का आगाज करेंगे।

वैभव सूर्यवंशी को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई में मिलेगा मौका! ईशान किशन मुकाबले से बाहर



नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाना है। इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम को झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज ईशान किशन डररी से परेशान हैं और इस मुकाबले में वो भाग नहीं लेंगे। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस बात की जानकारी दी है।

बीसीसीआई की विज्ञप्ति में कहा गया, भारतीय

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के

खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले से बाहर

गए हैं। उन्हें पहले टी20 मैच के दौरान दाएं पैर की

मोसपेशियों में खिंचाव आया था। ईशान को लो-ग्रेड

राइट एडजक्टर स्ट्रेन हुआ है। बीसीसीआई की

मोडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रख रही है और

उनकी रिकवरी की निगरानी कर रही है।

अब ईशान किशन की जगह 15 वर्षीय वैभव

सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की पूरी

संभावना है। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु

कोटक ने भी ईशान की चोट की जानकारी देते हुए बताया कि पहले टी20 में उनका पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना भी इसी परेशानी से जुड़ा था।

सितांशु कोटक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने भी इस बारे में काफी अटकलें देखी

हैं। ईशान की ग्रीड में खिंचाव था, इसी वजह से बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। कल के मैच में भी उनके खेलने की उम्मीद कम है। अगर ईशान नहीं खेलते हैं, तो वैभव निश्चित रूप से उनकी जगह लेने के मजबूत दावेदारों में शामिल हैं।

ईशान किशन की चोट ने वैभव सूर्यवंशी के लिए टीम में जगह बनाने की संभावना बढ़ा दी है। अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन नियमित ओपनर हैं और टीम मैनेजमेंट फिलहाल दोनों के प्रदर्शन से संतुष्ट है। अगर वैभव को प्लेइंग-11 में प्लूट्टी होती है, तो संजु सैमसन तीसरे नंबर पर बैटिंग करते नजर आ सकते हैं।

पहले टी20 से पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव सूर्यवंशी को लेकर कहा था कि उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा।

लगभग दो माह पूर्व राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से उनकी मुलाकात हुई थी। इसमें बस्तर पंडु के विजेताओं के साथ बस्तर के परगना मांझी और चालकी भी शामिल थे। बस्तर पंडुम जैसे आयेोजन जनजातीय युवाओं को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने माँ देतेधारी और बस्तर अंचल के समस्त ग्राम देवी-देवताओं को नमन करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा अपनी अविधि, विशिष्ट परंपराओं, आस्था और व्यपक जनभागीदारी के कारण देश के अन्य उत्सवों से अलग पहचान रखता है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की जीवत सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने परंपरागत प्रतिनिधियों के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मांझियों का मासिक मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये तथा चालकी का मानदेय 1,500 रुपये से बढ़ाकर 3,500 रुपये किया गया है। यह निर्णय बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने वाले परंपरागत प्रतिनिधियों के योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष मरेश कश्यप, कॉलेर सांसद भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, विधायक कोण्डगांव सु लता उसेंडी, महापौर संजय पण्डे सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बीएन मीणा, कलेक्टर अकाश छिन्नार, एसपी शलभ सिन्हा सहित पारंपरिक मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरिन, नाइक-पाइक और बस्तर दशहरा समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

महासमुंद जिले में हुए सड़क हादसे में राजनांदगांव की दो बेटियों की दर्दनाक मौत

राजनांदगांव (दावा)। महासमुंद जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा होने से राजनांदगांव की बेटी खतीजा गाजी की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जाता है कि ओडिशा के संबलपुर से शादी समारोह से लौट रही एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे 16 चक्का ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी।

इस उक्त दर्दनाक हादसा हुआ। इस दुर्घटना में कार में सवार राजनांदगांव की बेटी खतीजा गाजी पुत्री नईम गाजी (अधिवक्ता) और उसके साथ बैठी पूर्व जनपद सदस्य सलीम खुरी वाले की पुत्री सना की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवी हलीम बख्श गाजी ने बताया कि उसके लघु भ्राता नईम गाजी की सुपुत्री खतीजा गाजी एल एल बी की छात्रा थी। उक्त दर्दनाक घटना की जानकारी होते ही गाजी परिवार में दुख का पहाड़ टूट पड़ा। उन्होंने बताया कि डेड बॉडी आ चुकी है। जिसे शहर के मठपारा स्थित कब्रिस्तान में रात के 9 बजे मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।



- संबलपुर से एक शादी समारोह से लौट रहा था परिवार
- दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार

ओवर टेक करने की कोशिश में हुआ यह हादसा

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पट्टेवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बावनकरा चौक (झलप के पास) यह हादसा हुआ। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जो ओडिशा के संबलपुर में किसी शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि सुबह के समय

कोहरा था और कार चालक के सफर के दौरान ओवरटेक करने की कोशिश में या वाहन अनियंत्रित होने के कारण कार आगे चल रहे भारी-भरकम 16 चक्का ट्रक में पीछे से जोरदार तरीके से जा टकराई।

घटना से कार के उड़े परखच्चे

टकर इतनी भयानक थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे का फायदा उठाकर ट्रक चालक अपने वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और सभी घायलों व मृतकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव पहुंचाया। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। वहीं, तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। प्राथमिक तौर पर कार सवार सभी लोग राजनांदगांव जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। पट्टेवा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मृतकों की शिनाख्त के साथ-साथ फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

दिल दहला देने वाली वारदात : रोज-रोज के झगड़े से तंग आकर पति ने पत्नी को मोहारा नदी में दिया धक्का, डूबने से मौत

राजनांदगांव (दावा)। जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र में परिवारिक विवाद के चलते एक पति द्वारा अपनी पत्नी की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी पति ने पहले पत्नी को घुमाने के बहाने मोहारा नदी के पास ले जाकर पानी में धक्का दे दिया। तैरना न जानने के कारण गहरे पानी में डूबने से महिला की मौत हो गई। बसंतपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

घूमने के बहाने ले जाकर नदी में दिया धक्का

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार निखली (स्टेशन पारा) निवासी आरोपी मयूर मेश्राम उर्फ रिंकू (29 वर्ष) का अपनी पत्नी नीलम के साथ आए दिन घरेलू बातों को लेकर विवाद होता रहता था। रोज-रोज के झगड़ों से परेशान होकर आरोपी ने हत्या की



योजना बनाई। 21 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे वह पत्नी को घूमने चलते हैं। कहकर मोहारा नदी के छोटे पुलिया के पास ले गया। वहां फिर से दोनों के बीच कहा-सुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने यह जानते हुए भी कि नीलम को तैरना नहीं आता, हत्या की नीयत से उसे सीधे नदी में धक्का दे दिया। तेज बहाव व गहरे पानी में डूबने से नीलम की मौत हो गई।

साले के घर पहुंचकर कबूला गुनाह

वारदात को अंजाम देने के बाद

आरोपी सीधे अपने साले के घर पहुंचा और बताया कि उसने पत्नी को रोज के विवादों से तंग आकर उसे नदी में धक्का देकर मार डाला है। मृतका के भाई की रिपोर्ट पर बसंतपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने 22 अक्टूबर को घेराबंदी कर मयूर मेश्राम को हिरासत में लिया। पूछताछ में अपराध स्वीकार करने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया।

राजनांदगांव में वास्को-द-गामा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग उठी

राजनांदगांव (दावा)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) ने राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर वास्को-द-गामा-जसीडीह एक्सप्रेस (17321) तथा जसीडीह-वास्को-द-गामा एक्सप्रेस (17322) के ठहराव की मांग उठाई है। इस संबंध में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया है। कैट का मानना है कि दोनों ट्रेनों का राजनांदगांव में ठहराव होने से शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को गोवा के लिए सीधी रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिल सकेगा। इससे पर्यटन, पारिवारिक यात्राओं और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

वास्को-द-गामा-जसीडीह एक्सप्रेस गोवा को देश के विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण साप्ताहिक रेल सेवा है। छत्तीसगढ़



कैट ने सांसद संतोष पांडे एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की पहल की मांग गोवा के लिए सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलने से यात्रियों और व्यापारियों को होगा लाभ

में इस ट्रेन के निर्धारित ठहरावों का लाभ प्रदेश के यात्रियों को मिलता है। राजनांदगांव में ठहराव मिलने से जिले के यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए दूसरे शहरों तक जाने की आवश्यकता कम होगी और यात्रा अधिक सुविधाजनक बन सकेगी। कैट ने रेलवे से आग्रह किया है कि

राजनांदगांव की भौगोलिक स्थिति, यात्री सुविधाओं और क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दोनों दिशाओं में इस ट्रेन का ठहराव स्वीकृत किया जाए।

कैट पदाधिकारियों ने उठाई मांग

इस मांग को उठाने वालों में कैट के प्रदेश संरक्षक अनिल बरडिआ, जिला अध्यक्ष राजू डागा, संजय तेजवानी, भावेश अग्रवाल, संजय लड्डू, अशोक पांडे, लक्ष्मण लोहिया, अमित खंडेलवाल, सूरज बुद्धदेव, राजा माखोजा, राजेश जैन सीए, प्रकाश कारकिरिया एवं सागर चितलांग्या शामिल हैं। कैट पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि सांसद संतोष पांडे एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस मांग पर सकारात्मक पहल करेंगे, जिससे राजनांदगांव और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिल सकेगी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी।

निगम की बड़ी कार्रवाई : ग्रामीण क्षेत्र से शहर में लाकर छोड़े जा रहे 50 मवेशी पकड़े, 7700 जुर्माना वसूला

राजनांदगांव (दावा)। शहर में आवारा मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए नगर पालिक निगम द्वारा मवेशी धरपकड़ अभियान में सख्ती बढ़ा दी गई है। बुधवार सुबह ग्राम सिंघोला की ओर से लगभग 50 की संख्या में मवेशी लाकर शहर में छोड़े जाने की कोशिश को निगम अमले ने नाकाम कर दिया। हल्दी के पास मवेशियों को रोककर संबंधित पशुपालकों से 7,700 रुपये का जुर्माना वसूला गया और उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई।

पार्श्व की सूचना पर मौके पर पहुंचे आयुक्त

जानकारी के अनुसार ग्राम सिंघोला से बड़ी संख्या में मवेशियों को शहर की सीमा में लाकर छोड़ने की तैयारी थी। इसकी जानकारी हल्दी के पार्श्व चंद्रकृत साहू ने नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम को दी। सूचना मिलते ही आयुक्त निगम अमले के साथ मौके पर पहुंचे और सभी मवेशियों को एक स्थान पर रकवाया। इसके बाद मवेशी मालिकों को सिंघोला से बुलवाकर उन पर 7,700 रुपये का अर्थदंड लगाया गया और मवेशियों को वापस लौटाया गया।

कान के टैग से होगी शहर के पशुपालकों की पहचान



हल्दी के पास पकड़े गए सिंघोला से लाए जा रहे मवेशी, शहर के आवारा मवेशी रेवाड़ा कांजी हाउस भेजे गए, दी गई सख्त चेतावनी

कार्रवाई के दौरान पकड़े गए मवेशियों में कुछ शहर के स्थानीय मवेशी भी शामिल थे, जिन्हें तत्काल रेवाड़ी स्थित कांजी हाउस भेज दिया गया। आयुक्त ने पशु चिकित्सालय की टीम को मौके पर बुलाकर शहर के मवेशियों के कानों में लगे टैग के आधार पर उनके मालिकों की पहचान

कर अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए।

दो पालियों में चल रहा धरपकड़ अभियान

निगम आयुक्त मरकाम ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय राजमार्ग और शहर के प्रमुख चौराहों को मवेशी मुक्त रखने के लिए सुबह और शाम दो पालियों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कांजी हाउस से मवेशी छुड़ाने पर प्रति मवेशी 570 रुपये जुर्माना और चारे-पानी के खर्च की वसूली की जाती है। इसके अलावा रात में मवेशियों को सड़कों से हटाने, रेडियम पट्टी लगाने तथा घायल व बीमार पशुओं को उपचार के लिए आरोग्यम गौशाला भेजने का काम निरंतर जारी है।

दीपावली पर अभियान में आएगी और तेजी

आयुक्त ने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने मवेशियों का उचित प्रबंधन करें और उन्हें सड़कों या खुले में न छोड़ें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी दीपावली त्योहार के दौरान बाजारों में भीड़ को देखते हुए धरपकड़ अभियान और तेज किया जाएगा। यदि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों से शहर में लाकर मवेशी छोड़ते पाया गया, तो संबंधितों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डोंगरगढ़ जनपद सीईओ के तबादले को लेकर सियासत गरमाई, 2 दिन में नहीं हटे तो तालाबंदी की चेतावनी

भाजपा समर्थित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों ने एसडीएम को लौपा ज्ञापन, बिना सहमति 15 लाख के कार्यों की स्वीकृति और निजी वेंडर से काम करने का आरोप

डोंगरगढ़ (दावा)। जनपद पंचायत डोंगरगढ़ में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के स्थानांतरण की मांग को लेकर प्रशासनिक और सियासी घमासान तेज हो गया है। राजनांदगांव से लेकर रायपुर तक प्रशासनिक स्तर पर गुहार लगाने के बाद अब भाजपा समर्थित जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। जनप्रतिनिधियों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपकर दो दिन के भीतर सीईओ का तबादला न होने पर तीसरे दिन जनपद पंचायत कार्यालय में तालाबंदी करने की सीधी चेतावनी दी है।

बिना सहमति 15 लाख के कार्य स्वीकृत करने व वेंडर थोपने का आरोप

भाजपा समर्थित जनपद पदाधिकारियों ने जनपद सीईओ भगवती साहू पर कार्यप्रणाली में मनमानी का गंभीर आरोप लगाया है। एसडीएम को सौंप गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की सहमति और सामान्य सभा के



प्रस्ताव के बिना ही तीन ग्राम पंचायतों में 15 लाख रुपये के निर्माण कार्यों की स्वीकृति जारी कर दी गई। इसके अलावा, सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्रों में स्वीकृत कार्यों में अपने निजी वेंडर भेजकर काम कराने का भी आरोप लगाया गया है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि बार-बार विरोध जताने के बावजूद कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ।

एसडीएम को दो दिन का अल्टीमेटम, तालाबंदी का ऐलान

जनपद पदाधिकारियों ने प्रशासन को दो दिन की समय-सीमा देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित अवधि में सीईओ का स्थानांतरण नहीं किया गया, तो तीसरे दिन जनपद सदस्य तामबंद होकर जनपद पंचायत कार्यालय में तालाबंदी करेंगे। सूचना जारी की जा रही है। सीईओ द्वारा एकतरफा सूचना जारी करने को लेकर भी अध्यक्ष लता सिन्हा, उपाध्यक्ष हिरामा वर्मा, वरिष्ठ जनपद सदस्य व सभापति सुरेश वर्मा, सीमा साहू

अशोक नेताम, रेशमा, धनवार कुमार, रामेश्वर साहू, रामेश्वरी वर्मा, रामकुंवर कामंडी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

सामान्य सभा की बैठक को लेकर भी बढ़ा विवाद

इधर, पिछले दो माह से सामान्य सभा की बैठक आयोजित नहीं होने का हवाला देकर सीईओ द्वारा जारी किए गए पत्र ने विवाद को और हवा दे दी है। सीईओ भगवती साहू ने छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 44(4) का उल्लेख करते हुए पत्र जारी कर कहा है कि नियमानुसार प्रत्येक माह सामान्य सभा की बैठक अनिवार्य है। जनपद की पिछली बैठक 13 अगस्त 2026 को हुई थी, जिसके बाद से बैठक नहीं बुलाई गई। अतः नियमों के तहत बैठक की सूचना जारी की जा रही है। सीईओ द्वारा एकतरफा सूचना जारी करने को लेकर भी अध्यक्ष व सदस्यों ने तीखी नाराजगी व्यक्त करते हुए एसडीएम के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है।

सुगम यातायात के लिए राजनांदगांव में अस्थाई पार्किंग व्यवस्था, निगम आयुक्त ने अधिकारियों को सौंपा दायित्व

राजनांदगांव (दावा)। आगामी दीपावली त्योहार में शहर की भीड़ को देखते हुए यातायात के सुचारु संचालन के लिए व्यापारियों के सुझाव पर प्लान तैयार किया गया है। जिसके तहत शहर के विभिन्न हिस्सों में अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया। चयनित स्थानों में पार्किंग के लिए व्यवस्था करने निगम आयुक्त जी.आर मरकाम ने निगम के अधिकारियों को दायित्व सौंपा है।

गत दिवस कलेक्टर जितेंद्र यादव की अध्यक्षता में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के साथ आगामी दीपावली त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए शहर में यातायात का सुचारु संचालन एवं व्यवस्थित पार्किंग के लिए चर्चा की गयी। जिसमें पुत्री शाला, पुराना जिला चिकित्सालय, शिवाजी पार्क, पुराना टाकीज के बाजू रिक भूमि, गंज चौक के अलावा फ्लाई ओवर के नीचे गुरुद्वारा के पास, महावीर चौक के पास व पोस्ट ऑफिस चौक के पास अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया। साथ ही शहर के बाजार क्षेत्र गुड्डाखु लाईन, जुनीहटरी, सिनेमा लाईन, हलवाई लाईन क्षेत्र के व्यापारियों को दुकान का सामान दुकान के अंदर रखने समझाईस दी जायेगी। साथ ही जयस्तंभ चौक के पास रोड में अस्थाई पसरा लगाने

शहर के 8 प्रमुख स्थानों पर खड़े होंगे वाहन, जयस्तंभ चौक के पसरा कारोबारी शिफ्ट होंगे महावीर चौक फ्लाईओवर के नीचे

लगाने हेतु महापौर के निर्देश पर जगह भी आश्रित कर लिया गया है। आयुक्त ने कहा कि दीपावली त्योहारी सीजन के दौरान जय स्वप्न चौक में पसरा लगाकर त्योहारी सामान बेचने वाले फुटकर व्यापारियों को समाचार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस हेतु नगर पालिक निगम राजनांदगांव के आवाक जावक शाखा में बिना विलंब किए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस संबंध में आयुक्त मरकाम ने कहा कि कलेक्टर के निर्देशानुसार दीपावली त्योहार में सुगम यातायात तथा भीड़ को नियंत्रित करने हेतु यातायात पुलिस से समन्वय करते हुए सुचारु व्यवस्था हेतु व्यापारियों के साथ मिलकर प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि अस्थाई पार्किंग व्यवस्था के लिए निगम के अधिकारियों को पृथक-पृथक दायित्व सौंपा गया है। सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ यातायात विभाग से आवश्यक समन्वय स्थापित कर निर्धारित पार्किंग स्थल में यातायात व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने व्यापारियों एवं नागरिकों से भी व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

वोट चोरी के विरोध में घुमका में कांग्रेस का प्रदर्शन : ज्ञानेश कुमार का फूँका पुतला, 'वोट बचाओ-देश बचाओ' के तहत सड़क पर उतरे कार्यकर्ता

घुमका (दावा)। 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी घुमका द्वारा कथित वोट चोरी के विरोध में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की। यह विरोध प्रदर्शन क्षेत्रीय विधायक हर्षिता स्वामी एवं पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित किया गया।

लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष का ऐलान

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि



विधायक हर्षिता स्वामी बघेल व पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल के नेतृत्व में हुआ विरोध प्रदर्शन, बड़ी संख्या में जुटे जनप्रतिनिधि

निष्पक्ष मतदान और जनमत की सुरक्षा लोकतंत्र की सबसे बड़ी बुनियाद है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए नेताओं ने आरोप लगाया कि मताधिकार को कमजोर करने और वोट चोरी की कोशिशों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष जारी रखेगी। पुतला दहन व विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष फूलमती वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जयकुमार वर्मा तथा जनपद सदस्य चंद्रेश वर्मा रतन यादव सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बी.एस.सी. नर्सिंग (04 वर्षीय पाठ्यक्रम)

प्रवेश योग्यता : बाइडबी कक्षा राष्ट्रीय बोधभागीनी विषय एवं नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2026 में उत्तीर्ण

पोस्ट वेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग (02 वर्षीय पाठ्यक्रम)

प्रवेश योग्यता : जी.एन.एन.उत्तीर्ण एवं नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2026 में उत्तीर्ण

जी.एन.एम. नर्सिंग (03 वर्षीय पाठ्यक्रम)

प्रवेश योग्यता : बाइडबी कक्षा राष्ट्रीय

RASTOGI COLLEGE OF NURSING
Model Town, Nehru Nagar (E), Bhillai (C.G.)
📞 9300558900, 9300509100

RASTOGI COLLEGE OF NURSING
G.E. Road, Tedesara, Dist-Rajnandgaon (C.G.)
📞 9300252200, 9300558500